Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199

भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री
संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

श्री दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य

पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पताः- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 93 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये | दुर्ग, शुक्रवार 13 फरवरी 2026 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

तेज हवाओं से एनसीआर को राहत, एक्यूआई में आंशिक सुधार, येलो और ऑरेंज जोन में वायु गुणवत्ता सूचकांक

नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बीते दिनों चली तेज हवाओं का असर अब वायु गुणवत्ता पर साफ दिखाई देने लगा है। प्रदूषण के स्तर में आंशिक सुधार दर्ज किया गया है और कई इलाकों का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) रेड जोन से निकलकर येलो और ऑरेंज जोन में पहुंच गया है। प्रदूषण अभी भी पूरी तरह से नियंत्रण में नहीं है, लेकिन हालात पहले से बेहतर माने जा रहे हैं। दिल्ली में अलग-अलग मॉनिटरिंग स्टेशनों के आंकड़ों के मुताबिक, बवाना में एक्यूआई 259 दर्ज किया गया, जो ऑरेंज जोन में है। अशोक विहार में 220 और आनंद विहार में 218 एक्यूआई रिकॉर्ड हुआ। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज क्षेत्र में 202 एक्यूआई दर्ज किया गया। वहीं, अलीपुर में 181, बुराड़ी क्रॉसिंग में 169, चांदनी चौक में 162, सीआरआरआई मथुरा रोड पर 171 और डीटीयू क्षेत्र में 169 एक्यूआई दर्ज किया गया। आया नगर में एक्यूआई 160 रहा। सभी इलाके येलो से ऑरेंज जोन की श्रेणी में बने हुए हैं। नोएडा में भी वायु गुणवत्ता में सुधार देखा गया है। सेक्टर-125 में एक्यूआई 190, सेक्टर-62 में 170, सेक्टर-1 में 190 और सेक्टर-116 में 175 दर्ज किया गया। ये सभी आंकड़े येलो जोन के आसपास हैं, जो मध्यम श्रेणी की वायु गुणवत्ता को दर्शाते हैं। गाजियाबाद के इंदिरापुरम में एक्यूआई 225 और वसुंधरा में 230 दर्ज किया गया, जो ऑरेंज जोन में है।

मजदूरों और किसानों के संघर्ष के साथ मजबूती से खड़ा हूं - राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ट्रेड यूनियन की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि वह मजदूरों और किसानों के मुद्दों व संघर्षों के साथ मजबूती से खड़े हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर लिखा, देशभर में लाखों मजदूर और किसान अपने हक की आवाज बुलंद करने के लिए सड़कों पर हैं। मजदूरों को डर है कि चार श्रम कानून उनके अधिकारों को कमजोर कर देंगे। किसानों को आशंका है कि व्यापार समझौता उनकी आजीविका पर चोट करेगा, और मनरेगा को कमजोर या खत्म करने से गांवों का आखिरी सहारा भी छिन सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब उनके भविष्य (श्रम कानूनों) से जुड़े फैसले लिए गए, उनकी (मजदूरों और किसानों) आवाज को नजरअंदाज किया गया। राहुल गांधी ने लिखा, क्या सरकार अब सुनेगी या उन पर किसी %ग्रिप% की पकड़ बहुत मजबूत है? कांग्रेस सांसद ने अपने पोस्ट के आखिर में लिखा, मैं मजदूरों और किसानों के मुद्दों और उनके संघर्ष के साथ मजबूती से खड़ा हूं। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के बैनर तले किसान यूनियनों ने देशभर में विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। उन्होंने भारत-अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते को भारतीय कृषि, डेयरी और ग्रामीण रोजी-रोटी के लिए सीधा खतरा बताया है। किसान यूनियनों ने तर्क दिया है कि यह रूपरेखा वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के बार-बार दिए गए इस भरोसे के उलट है कि खेती और डेयरी को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) से बाहर रखा जाएगा। उन्होंने हाल के दूसरे एफटीए के नियमों पर भी चिंता जताई, जिनमें न्यूजीलैंड, यूरोपियन यूनियन (ईयू) और यूके के साथ साइन किए गए एफटीए शामिल हैं। यूनियनों ने मांग की है कि सरकार ट्रेड बातचीत में खेती और डेयरी पर अपना स्टैंड साफ करे और घरेलू किसानों व ग्रामीण मजदूरों को संभावित बुरे असर से बचाए।

लोकसभा स्पीकर के चैंबर में जबरन घुसे कांग्रेस सांसद, गाली गलौच की, किरेन रिजिजू ने शेयर किया वीडियो

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस के कई सांसदों ने जबरन लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के चैंबर में घुसकर उन्हें गालियां दीं और धमकाया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने अपने बयान में कहा, कांग्रेस के 20-25 सांसद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के चैंबर में जबरदस्ती घुसे। वहां उनकी तरफ से गाली गलौच की गई। प्रियंका गांधी वाड्रा और केसी वेणुगोपाल की मौजूदगी में कांग्रेस सांसदों ने गालियां दीं। रिजिजू ने आरोप लगाया कि स्पीकर के चैंबर में ही कांग्रेस के सांसदों ने धमकी दी थी कि जब सदन में बोलने के लिए प्रधानमंत्री आएंगे तो देखिएगा हम लोग क्या करेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संसद के अंदर की घटना सभी ने देखी और वह रिकॉर्ड भी हुई। केंद्रीय मंत्री ने एक्स पर घटना का एक वीडियो भी शेयर किया, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के ही सांसदों ने इसे गैर-कानूनी तरीके से रिकॉर्ड किया था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यह एक गैर-कानूनी वीडियो क्लिप है, जिसे एक कांग्रेस सांसद ने तब बनाया था जब 20-25 कांग्रेसी सदस्य स्पीकर के चैंबर में घुसे, उन्हें गालियां दीं और प्रधानमंत्री को धमकाया।

धन-धान्य से पुष्पित-पल्लवित धरा को सुंदर, समृद्ध, सुरक्षित और विकसित बनाने के लिए संकल्पित होकर काम कर रही हमारी सरकार : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, किसान हितैषी योजनाओं, उद्योग नीति तथा नक्सल पुनर्वास नीति को मिली सराहना

सिक्किम के पत्रकारों को भाया छत्तीसगढ़

कहा - छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विविधता और लोगों का आत्मीय व्यवहार अत्यंत प्रभावित करने वाला

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर प्रदेश है और धन-धान्य से पुष्पित-पल्लवित इस धरा को हमारी सरकार सुंदर, समृद्ध, सुरक्षित और विकसित बनाने के लिए संकल्पित होकर काम कर रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में सिक्किम राज्य से अध्ययन भ्रमण पर पहुंचे पत्रकारों के दल से मुलाकात कर आत्मीय संवाद किया और उनसे छत्तीसगढ़ को लेकर ढेर सारी बातें साझा की। उन्होंने सभी अतिथियों को राजकीय गमछा भेंट कर छत्तीसगढ़ में स्वागत और अभिवादन किया। मुख्यमंत्री की सहृदयता और आतिथ्य पाकर सभी पत्रकार अभिभूत हुए और उन्हें सिक्किम आने का निमंत्रण भी दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ 44 प्रतिशत वन क्षेत्र से आच्छादित है तथा यहां 31 प्रतिशत आदिवासी समुदाय निवासरत है। वनोपज संग्रहण और मूल्य संवर्धन के माध्यम से जनजातीय समुदाय आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। जशपुर जिले में स्व-सहायता समूह की महिलाएं 'जशप्योर' ब्रांड के अंतर्गत उत्पाद तैयार कर आय अर्जित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए सरकार द्वारा 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से भुगतान किया जा रहा है तथा चरण पादुका योजना के तहत निःशुल्क चप्पल प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह की चिंता को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2005 में इस योजना की शुरुआत की गई थी। हाल ही छह हजार से अधिक जोड़े इस योजना के अंतर्गत विवाह बंधन में बंधे, जिसे गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड में भी स्थान प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत नवदंपतियों को 35 हजार रुपये की आर्थिक सहायता एवं 15 हजार रुपये का सामग्री सहयोग प्रदान किया जाता है।

नक्सलवाद के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के सफल नेतृत्व और दृढ़ इच्छाशक्ति के चलते प्रदेश में नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में है। राज्य सरकार की आकर्षक पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को 50 हजार रुपये की सहायता तथा तीन वर्षों तक प्रति माह 10 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। अब तक 2,500 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें रोजगार से जोड़ने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। श्री साय ने बताया कि जगदलपुर में आत्मसमर्पित नक्सलियों द्वारा 'बस्तर पंडुम' कैफे का सफल संचालन इसका सशक्त उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि 'नियद नेल्ला नार' योजना के अंतर्गत 17 शासकीय योजनाओं को दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाया गया है, जिससे सड़क, बिजली, पानी, राशन, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं की पहुंच सुदृढ़ हुई है। उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्र अब विकास की मुख्यधारा से तेजी से जुड़ रहे हैं। पर्यटन की संभावनाओं पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है। चित्रकोट जलप्रपात, कुटुम्बसर गुफाएं, अबूझमाड़ के वन और धुड़मारास जैसे स्थल प्रदेश की पहचान हैं।

राजपाल यादव को दिल्ली हाई कोर्ट से नहीं मिली जमानत, अब 16 फरवरी को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली ,12 फरवरी (एजेंसी)। चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव की जमानत याचिका पर आज दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की तमाम दलीलों को सुनने के बाद कोर्ट ने मामले की सुनवाई को सोमवार 16 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दिया है। मामले की अगली सुनवाई अब 16 फरवरी को होगी। सुनवाई के दौरान दिल्ली उच्च न्यायालय ने राजपाल यादव के 3 करोड़ रुपये से अधिक की राशि चुकाने के आश्वासन पर चिंता व्यक्त की और कहा कि मामला काफी समय से लंबित है। मिंट की रिपोर्ट के अनुसार, न्यायालय ने बताया कि पुनरीक्षण सुनवाई और मध्यस्थता कार्यवाही के दौरान कई बार वादे किए जाने के बावजूद, राजपाल यादव ने लगभग 25-30 बार सुनवाई स्थगित करवाई और बकाया राशि का भुगतान नहीं किया। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली हाई कोर्ट ने राजपाल यादव से कहा, 'आप जेल इसलिए गए हैं क्योंकि आपने अपना वादा पूरा नहीं किया।'

कोर्ट का कहना है कि राजपाल यादव को कम से कम दो दर्जन से ज्यादा मौके दिए गए, लेकिन उन्होंने अपना वादा पूरा नहीं किया। राजपाल यादव ने परिवार में शादी का हवाला देते हुए बेल मांगी थी।बार एंड बेंच के अनुसार, सुनवाई के दौरान दिल्ली उच्च न्यायालय ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि हमें आपके प्रति सहानुभूति हो सकती है, लेकिन कानून तो कानून है।

मोदी आर्काइव' ने साझा किया पीएम मोदी का 2006 का प्रेरक वीडियो

युवाओं को दी हार न मानने की सीख

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के सोलहवें राष्ट्रपति और द ग्रेट लिबरेटर नाम से प्रख्यात अब्राहम लिंकन की जयंती गुरुवार को है। लिंकन केवल अमेरिका के ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में लोकतंत्र, समानता और मानवाधिकारों के प्रतीक माने जाते हैं। साधारण परिवार में जन्म लेने वाले लिंकन ने अपने संघर्ष, ईमानदारी और दृढ़ निश्चय के बल पर इतिहास में अमिट स्थान बनाया। द ग्रेट लिबरेटर नाम से प्रख्यात अब्राहम लिंकन की जयंती के अवसर पर मोदी आर्काइव नामक अकाउंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक पुराना वीडियो जारी किया। यह वीडियो वर्ष 2006 का है। यह वीडियो उस समय का है, जब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे और उन्होंने निरमा यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित किया था। यह भाषण आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का सशक्त स्रोत माना जा रहा है। मोदी आर्काइव के अनुसार, उन्होंने एक शानदार भाषण दिया था, जिसमें अब्राहम लिंकन के जीवन संघर्ष का उल्लेख करते हुए युवाओं को धैर्य, साहस और निरंतर प्रयास का संदेश दिया था। उन्होंने कहा था कि जिन्होंने अब्राहम लिंकन के जीवन को पढ़ा है, वे जानते हैं कि उनके सार्वजनिक जीवन के शुरुआती लगभग तीस वर्ष निराशा और असफलताओं से भरे रहे।

उन्होंने कहा, अब्राहम लिंकन कई चुनाव हारे, यहां तक कि अपने गांव की पंचायत का चुनाव भी नहीं जीत सके। व्यापार में भी उन्हें असफलता मिली और कई बार कर्ज का सामना करना पड़ा। जीवन के हर क्षेत्र में विफलताओं के बावजूद अब्राहम लिंकन ने हार नहीं मानी। वे निरंतर प्रयास करते रहे, संघर्ष करते रहे और अपने लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ते रहे। अंततः एक समय ऐसा आया जब उन्हें पहली बार बड़ी सफलता मिली और वे अमेरिका के राष्ट्रपति बने। यह सफलता केवल एक पद प्राप्त करने की कहानी नहीं थी, बल्कि धैर्य, समर्पण और अडिग संकल्प की जीत थी। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में युवाओं से आह्वान किया था कि यदि कोई व्यक्ति तीन दशकों तक लगातार असफलताओं का सामना करने के बावजूद अपने जीवन को बदल सकता है, तो हम भी उससे प्रेरणा ले सकते हैं।

पंजाब पुलिस का ऑपरेशन प्रहार 2.0, अब तक 1,600 से ज्यादा गिरफ्तारियां

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में अपराध और नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पंजाब पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार 2.0 के तहत राज्यभर में एक बड़ा अभियान शुरू किया है। इस ऑपरेशन के तहत अब तक 1,600 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के मुताबिक, यह अभियान पूरी तरह इंटेलिजेंस इनपुट पर आधारित है और इसे सभी जिलों में एक साथ, वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में अंजाम दिया जा रहा है। करीब 12 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों को मैदान में उतारा गया है, जिन्होंने अलग-अलग इलाकों में एक साथ दबिश दी। जानकारी के अनुसार, अब तक 2,706 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की गई है, जिनका संबंध वांछित अपराधियों, गैंगस्टरों या ड्रग नेटवर्क से बताया जा रहा है।

पुलिस का कहना है कि इस अभियान का मकसद सिर्फ गिरफ्तारी करना नहीं, बल्कि अपराध की जड़ों तक पहुंचकर पूरे नेटवर्क को तोड़ना है। खासतौर पर गैंगस्टर गतिविधियों और नशे के कारोबार पर सख्त नजर रखी जा रही है। 'गैंगस्टरों पर वार' थीम के तहत चल रहे इस अभियान को लेकर पुलिस का दावा है कि इससे अपराधियों में हड़कंप मचा है और कई सक्रिय गिरोहों की गतिविधियां ठप हुई हैं।

निशिकांत दुबे ने राहुल की सदस्यता खत्म करने के लिए प्रस्ताव पेश किया

नेता प्रतिपक्ष ने किया तीखा पलटवार

नई दिल्ली(एजेंसी)। भाजपा सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने लोकसभा में एक मोशन पेश किया है, जिसमें विपक्षी नेता राहुल गांधी की सदस्यता रद्द करने और भविष्य में चुनाव लड़ने पर पाबंदी लगाने की मांग की गई। डॉ. दुबे ने कहा सोरोस फाउंडेशन और देश को टुकड़े करने वाले ताकतों के साथ मिलकर राहुल गांधी भारत का विभाजन करना चाहते हैं। इसलिए मैंने लोकसभा के नियम 352(5) और 353 के तहत उनकी सदस्यता रद्द करने और भविष्य में चुनाव नहीं लड़ने की पाबंदी का मोशन पेश किया।

क्या है लोकसभा नियम 352(5) और 353

लोकसभा नियम 352(5) और 353 के तहत संसद किसी सदस्य की सदस्यता रद्द करने या भविष्य के चुनावों में भाग लेने पर रोक लगाने की प्रक्रिया को अपनाती है यदि उसके कार्य संविधान और राष्ट्रीय एकता के खिलाफ हों। विशेषज्ञों के अनुसार, यह मोशन राजनीतिक रूप से संवेदनशील है और संसद में इस पर बहस और निर्णय का असर विपक्ष और राजनीतिक माहौल पर पड़ सकता है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट कर स्पष्ट किया कि एफआईआर हो, मुकदमा दर्ज हो या क्व्ह्व1द्वद्यद्दद्द प्रस्ताव लाया जाए, वे किसानों के हितों के लिए हर मंच पर लड़ेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि जो भी ट्रेड डील किसानों की रोजी-रोटी छीने या देश की खाद्य सुरक्षा को कमजोर करे, वह पूरी तरह से किसान-विरोधी है। उन्होंने चेताया कि अन्नदाताओं के हितों के खिलाफकोई भी कदम, चाहे मोदी सरकार का हो, उन्हें समझौता करने पर मजबूर नहीं कर पाएगा। उनका संघर्ष किसानों के अधिकारों और खाद्य सुरक्षा की रक्षा तक जारी रहेगा।

इसके अलावा वरिष्ठ भाजपा नेता वानाथी श्रीनिवासन ने गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी से अपील की कि वे राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर राजनीति करना बंद करें और इसके बजाय रचनात्मक राजनीति पर ध्यान दें। वानाथी श्रीनिवासन ने लोकसभा में कथित रूप से एक पूर्व सेना प्रमुख की आत्मकथा को लेकर उत्पन्न हंगामे की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता जानबूझकर देश की सुरक्षा के साथ राजनीति कर रहे हैं।

उन्होंने कहा राहुल गांधी, जिन्हें जनता ने नकार दिया है, लोकसभा में अराजकता पैदा कर रहे हैं। राजनीति में करने के लिए हजारों काम हैं, लेकिन वे अनावश्यक रूप से देश की सुरक्षा को राजनीतिक मुद्दा बना रहे हैं।

फ्रेंच प्रेसिडेंट मैक्रों के भारत आने पर हो सकता है सौदा

114 नए राफेल खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी:3.25 लाख करोड़ की डिफेंस डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की रक्षा अधिग्रहण परिषद ने गुरुवार को फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इस डील की कीमत करीब 3.25 लाख करोड़ रुपए बताई जा रही है।

अब यह प्रस्ताव अंतिम मंजूरी के लिए कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (ष्टष्टस्) के पास भेजा जाएगा। वहीं, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के 17-20 फरवरी के 3 दिवसीय भारत दौरे पर सौदा हो सकता है। प्रस्ताव को 16 जनवरी को रक्षा खरीद बोर्ड से मंजूरी मिल चुकी थी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, नए राफेल विमानों की खरीद से एयर डिफेंस और बॉर्डर एरिया में तैनाती की क्षमता मजबूत होगी।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली कमेटी ने कॉम्बैट मिसाइलों और एयर-शिप बेस्ड हाई एल्टीट्यूड स्यूडो सैटेलाइट्स के प्रपोजल को भी मंजूरी दी है। इन सभी सौदों की कुल कीमत 3.60 लाख करोड़ रुपए है। यह सौदा 'मेक इन इंडिया' के तहत किया जाएगा। डसॉल्ट एविएशन एक भारतीय कंपनी के साथ मिलकर इन विमानों को बनाएगी।

यह सौदा 'मेक इन इंडिया' के तहत किया जाएगा। डसॉल्ट एविएशन एक भारतीय कंपनी के साथ मिलकर इन विमानों को बनाएगी।

रक्षा बजट के लिए 7.8 लाख करोड़ मिले

केंद्रीय बजट 2026-27 में रक्षा मंत्रालय को 7.8 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो कुल बजट का 14.67त्न है। आधुनिकीकरण के लिए निर्धारित 2.19 लाख करोड़ रुपए में से 1.85 लाख करोड़ रुपए पूंजीगत खरीद के लिए तय किए गए हैं, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लगभग 24त्न अधिक है।

मेक इन इंडिया के तहत होगा सौदा

यह सौदा 'मेक इन इंडिया' के तहत किया जाएगा। डसॉल्ट एविएशन एक भारतीय कंपनी के साथ मिलकर इन विमानों को बनाएगी। हाल ही में डसॉल्ट ने डसॉल्ट रिलायंस एयरोस्पेस लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी 49त्न से बढ़ाकर 51त्न कर ली है। इस जॉइंट वेंचर में अनिल अंबानी की रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर भी भागीदार है। डसॉल्ट सभी 114 राफेल जेट में भारतीय हथियार, मिसाइल और गोला-बारूद को इंटीग्रेट करेगा। साथ ही सुरक्षित डेटा लिंक भी उपलब्ध कराएगा, जिससे विमानों को भारतीय रडार और सेंसर सिस्टम से जोड़ा जा सकेगा। कंपनी एयरफ्रेम निर्माण के लिए टेक्नोलॉजी ट्रांसफर भी देगी। इंजन निर्माता साफ्रान और एवियोनिक्स कंपनी थेल्स भी इस प्रक्रिया का हिस्सा होंगी। टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पूरा होने के बाद इन विमानों में स्वदेशी कंटेंट 55 से 60 फीसदी तक होने की उम्मीद है।

एयरफोर्स ने सितंबर 2025 में मांग की थी

एयरफोर्स ने सितंबर 2025 में 114 अतिरिक्त राफेल जेट की मांग रक्षा मंत्रालय को भेजी थी। एयरफोर्स के पास पहले से 36 राफेल विमान है, जबकि नौसेना ने 26 मरीन वेरिएंट राफेल का ऑर्डर दिया है।

अंबाला एयरबेस पर राफेल का ट्रेनिंग और स्न्रह्र (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल) सेंटर पहले से चालू है। एयरफोर्स के पास तुरंत दो स्क्वाड्रन (36ङ्क38 विमान) शामिल करने के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर, स्पेयर पार्ट्स और प्रशिक्षित स्टाफमौजूद है।

'वंदे मातरम' पर रार

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड को आपत्ति, आदेश को बताया असंवैधानिक, कोर्ट जाने की दी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के सभी छह छंदों को आधिकारिक समारोहों में पहले गाने के आदेश को असंवैधानिक करार दिया है। बोर्ड ने सरकार को इस आदेश को अविलंब वापस लेने की चेतावनी दी है, अन्यथा वे कानूनी कार्रवाई करेंगे। जिसके लिए वह कोर्ट का दरवाजा भी खटखटा सकते हैं

यह प्रतिक्रिया केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी उस निर्देश के बाद आई है, जिसमें कहा गया है कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम और राष्ट्रगान जन गण मन एक साथ बजाए जाने पर वंदे मातरम के सभी छह छंद पहले गाए जाएंगे। 28 जनवरी के आदेश में गृह मंत्रालय ने राष्ट्रीय गीत गाने के लिए एक प्रोटोकॉल तय किया था। इसके अनुसार, राष्ट्रीय समारोहों जैसे राष्ट्रपति के आगमन, तिरंगा फहराने और राज्यपालों के भाषणों के दौरान वंदे मातरम के छह छंद, गाए जाएंगे, जिनकी अवधि 3 मिनट 10 सेकंड है। एआईएमपीएलबी ने इस आदेश पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे असंवैधानिक और धार्मिक स्वतंत्रता के विपरीत बताया है।

धार्मिक और कानूनी आधार पर विरोध

बोर्ड के महासचिव मौलाना मोहम्मद फजलुर रहीम मुजद्दिदी ने एक प्रेस बयान में कहा कि यह निर्णय मुसलमानों के लिए पूरी तरह अस्वीकार्य है। उन्होंने तर्क दिया कि रवींद्रनाथ टैगोर की सलाह और संविधान सभा की बहसों के बाद यह तय हुआ था कि वंदे मातरम के केवल पहले दो छंदों का ही प्रयोग किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि एक धर्मनिरपेक्ष सरकार किसी एक धर्म की मान्यताओं या शिक्षाओं को दूसरे धर्म के अनुयायियों पर जबरन नहीं थोप सकती। एआईएमपीएलबी महासचिव ने बताया कि यह गीत बंगाल के संदर्भ में लिखा गया है और इसमें दुर्गा व अन्य देवताओं की पूजा और वंदना का उल्लेख है। यह सीधे तौर पर मुसलमानों की धार्मिक मान्यताओं के विरुद्ध है, क्योंकि एक मुसलमान केवल अल्लाह की इबादत करता है ।

खबर-खास

जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला 2026: स्थानीय कलाकारों व छात्र-छात्राओं ने दी मनमोहक प्रस्तुतियाँ

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। तीन दिवसीय जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला का आयोजन जिले के हाईस्कूल मैदान में भव्य रूप से किया जा रहा है। महोत्सव के सांस्कृतिक सत्र में स्थानीय लोक कलाकारों तथा विभिन्न विद्यालयों व महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग एवं मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी। कार्यक्रम के दौरान शास्त्रीय नृत्य, लोकनृत्य, लोकगीत एवं छत्तीसगढ़ी पारंपरिक नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों का मन मोहा, साथ ही पूरा परिसर उत्साह और उल्लास से गूंज उठा। इस दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुति देने वाले कलाकारों, स्कूली विद्यार्थियों व प्रतिभागियों को अतिथियों ने सम्मानित किया।

कुम्हारी में 40-45 वर्षीय अज्ञात महिला का शव मिला, पहचान के लिए पुलिस की अपील

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग पुलिस के अंतर्गत कुम्हारी थाना क्षेत्र में एक अज्ञात महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने आम लोगों से महिला की पहचान में सहयोग करने की अपील की है। पुलिस के अनुसार 17 जनवरी 2026 को ग्राम परसादा खार स्थित केवल्य धाम के पीछे एक महिला का शव मिलने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्रारंभिक जांच में शव लगभग 10 से 15 दिन पुराना प्रतीत हुआ, जिससे तत्काल शिनाख्त संभव नहीं हो सकी। महिला की उम्र करीब 40 से 45 वर्ष आंकी गई है। जांच के दौरान यह सामने आया कि महिला के हाथ पर विनोद शर्मा नाम का टैटू बना हुआ है, जो पहचान का महत्वपूर्ण संकेत हो सकता है। पुलिस ने महिला द्वारा पहने गए कपड़े, चूड़ी, कंगन और चप्पल जब्त किए हैं तथा उनकी तस्वीरें पहचान के उद्देश्य से साझा की जा रही हैं। मामले में थाना कुम्हारी में मर्ग कायम कर विवेचना की जा रही है। अब तक महिला की पहचान नहीं हो पाई है। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि यदि टैटू, हुलिया या अन्य विवरण के आधार पर किसी को महिला के बारे में जानकारी हो तो तत्काल थाना कुम्हारी या नजदीकी पुलिस स्टेशन को सूचित करें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

चंद्रा मौर्या उच्चस्तरीय जलागार में नवीन आउटलेट वाल्व स्थापना हेतु जल आपूर्ति बाधित

भिलाई नगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई के नागरिकों को सूचित किया जाता है कि चंद्रा मौर्या उच्चस्तरीय जलागार टंकी में आवश्यक संधारण कार्य के अंतर्गत नवीन आउटलेट वाल्व लगाने का कार्य किया जाना है। इस तकनीकी सुधार कार्य के कारण संबंधित क्षेत्रों में जल आपूर्ति प्रभावित रहेगी। 13 फरवरी 2026, शुक्रवार शाम की जल आपूर्ति पूर्णत बंद रहेगी। 14 फरवरी 2026, शनिवार सुबह की जल आपूर्ति प्रभावित/बंद रहेगी। कार्य पूर्ण होने के पश्चात 14 फरवरी 2026 की शाम से जल आपूर्ति पुनः सुचारू रूप से बहाल कर दी जाएगी।

नगर निगम प्रशासन प्रभावित क्षेत्र के निवासियों से अपील करता है कि कृपया अपनी आवश्यकतानुसार जल का संचय पहले से कर लें ताकि असुविधा से बचा जा सके। संधारण कार्य का उद्देश्य भविष्य में जलापूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना है।

दुर्ग क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं के लिए टैरिफ याचिकाओं पर जन-सुनवाई आयोजित

बेमेतरा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग (सीएसईआरसी) द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2029-30 तक की अवधि के लिए बिजली दर (टैरिफ) निर्धारण एवं राजस्व आवश्यकताओं से संबंधित याचिकाओं पर जन-सुनवाई आयोजित की जा रही है। यह जन-सुनवाई दुर्ग क्षेत्र अंतर्गत दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिलों के उपभोक्ताओं के लिए आयोजित की जाएगी। आयोग द्वारा पहली बार राज्य के दूर-दराज क्षेत्रों के उपभोक्ताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु क्षेत्रवार ऑनलाइन जन-सुनवाई की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे अधिक से अधिक उपभोक्ता अपनी बात रख सकें। राज्य की बिजली कंपनियोंकृउत्पादन, पारेषण, वितरण एवं लोड डिस्पैच सेंटरकृद्वारा प्रस्तुत याचिकाओं पर आम नागरिक, किसान, उद्योगपति तथा विभिन्न संगठनों को अपने सुझाव एवं आपत्तियाँ दर्ज कराने का अवसर दिया जा रहा है।दुर्ग क्षेत्र के उपभोक्ता आयोग के रायपुर कार्यालय से ऑनलाइन माध्यम से जुड़ सकते हैं। इसके लिए उन्हें 17 फरवरी 2026, प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक रायपुर नाका, दुर्ग स्थित मुख्य अभियंता/कार्यपालक निदेशक कार्यालय, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग में उपस्थित होना होगा। यह सुविधा उन उपभोक्ताओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी है, जो सीधे रायपुर नहीं जा सकते लेकिन अपनी राय आयोग तक पहुंचाना चाहते हैं। जो उपभोक्ता आयोग के रायपुर कार्यालय में प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित होकर अपने सुझाव एवं आपत्तियां प्रस्तुत करना चाहते हैं, उनके लिए निम्नानुसार तिथियां एवं समय निर्धारित किए गए हैं:- 19 फरवरी 2026 (गुरुवार): दोपहर 12:00 से 01:30 बजे तक - कृषि एवं कृषि संबंधी कार्य, दोपहर 02:30 से 04:00 बजे तक - घरेलू उपभोक्ता, सायं 04:00 से 05:30 बजे तक - गैर-घरेलू उपभोक्ता, 20 फरवरी 2026 (शुक्रवार): दोपहर 12:00 से 01:30 बजे तक स्थानीय निकाय, नगर निगम एवं ट्रेड यूनियन, दोपहर 02:30 से 04:00 बजे तक - निम्न दाब (एलटी) उद्योग, सायं 04:00 से 05:30 बजे तक: उच्च दाब (एचटी) उद्योग वेबसाइट पर उपलब्ध है ।

चार माह से पेंशन नहीं, एमआईसी ने लिखा समाज कल्याण विभाग को पत्र

महापौर परिषद ने 305 नए आवेदनों को किया स्वीकृत

रिसाली (समय दर्शन)। पेंशन धारियों के खातें में राशि नहीं आने से महापौर परिषद ने समाज एवं कल्याण विभाग को पत्र लिखा है। रिसाली महापौर शशि सिन्हा ने कहा पेंशन हितग्राहियों को पेंशन के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। परिषद के सद्स्यों ने बैठक में 305 नए आवेदनों को अनुमोदन भी किया।

दरअसल परिषद के सद्स्यों का कहना था कि नवम्बर 2025 से पेंशन हितग्राहियों के खाते में राशि नहीं आई है। चर्चा के दौरान खुलासा हुआ कि विभाग से ही राशि का आवंटन नहीं हुआ है। इसे महापौर परिषद के सद्स्यों ने गंभीरता से लिया और समाज कल्याण विभाग को पत्र लिखने का निर्णय लिया।

उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय पेंशन एवं राज्य शासन की पेंशन योजना के तहत वृद्धा, विधवा, दिव्यांग पेंशन के तहत 500-500 और समाजिक सुरक्षा के तहत 49 वर्ष से कम आयु में विधवा होने पर 20 हजार की सहायता दी जाती है। योजना का लाभ लेने बी.पी.एल. होना अनिवार्य है। महापौर परिषद की बैठक में महापौर शशि सिन्हा, एमआईसी संजू नेताम, जहीर अब्बास, अनिल देशमुख, रोहित धनकर, आयुक्त मोनिका वर्मा, कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे समेत विभाग प्रमुख उपस्थित थे।

305 आवेदनों का अनुमोदन

महापौर परिषद के सद्स्यों ने अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 तक प्राप्त 305 पात्र आवेदनों का अनुमोदन किया। पात्र में केन्द्रीय पेंशन योजना के 247 एवं राज्य पेंशन योजना के 58 लोग शामिल है।

ऋषभ ग्रीन सिटी में 56.76 लाख की लागत से पाइपलाइन विस्तार कार्य का भूमिपूजन

15वें वित्त आयोग मद से होगा जल सुविधा का सुदृढ़ विस्तार

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा वार्ड क्रमांक 55 पुलगांव स्थित ऋषभ ग्रीन सिटी में पेयजल सुविधा को सुदृढ़ करने हेतु 15वें वित्त आयोग मद अंतर्गत स्वीकृत 56.76 लाख रुपये की लागत से पाइपलाइन विस्तार कार्य का भूमिपूजन आज महापौर श्रीमती अलका बाघमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, जल प्रभारी श्रीमती लीना दिनेश देवांगन, लोक निर्माण प्रभारी देवनारायण चंद्राकर, वार्ड पार्षद अश्विनी निषाद, विद्युत प्रभारी ज्ञानेश्वर ताम्रकार, पर्यावरण प्रभारी काशीराम कोसरे,लीला धर पाल,कुलेश्वर साहू,कमल देवांगन,मनोज सोनी,गुलशन साहू,मनीष कोठारी, लोकेश्वरी ठाकुर,जितेंद्र ताम्रकर, पूर्व पार्षद सुरेंद्र राजपूत,मंडल अध्यक्ष कौशल साहू,हरीश चौहान, रामफल शर्मा,कार्यपालन अभियंता प्रकाश चंद थवानी,सहयक अभियंता गिरीश दीवान,विनोद मांझी,मोहित मरकाम सहित अध्यक्ष राजकुमार गांधी ,सचिव साकेत मिश्रा, सुरेंद्र सिंह राजपूत, मनोज गुप्ता, विमल ताम्रकार, सतबीर शर्मा अजय चंद्राकर, चंद्रेश राठी, यशवंत जायसवाल,विजय सेक्ससरिया, रामपाल जी शर्मा, मुरारी जी भूतड़ा, मुकेश राठी, राजू अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

अवैध पदार्थ गांजा की तस्करी करते 4 आरोपी गिरफ्तार

एन्टी नारकोटिक टॉस्क फोर्स एवं थाना सिंघोड़ा पुलिस की कार्यवाही

11 किलो ग्राम मादक पदार्थ गांजा , कीमत 5 लाख 50, हजार रुपए जब्त

नृपनिधी पाण्डेय

सरायपाली (समय दर्शन)। एन्टी नारकोटिक टॉस्क फोर्स द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी तथा इंड टू इंड एवं फाइनेशियल इनवेस्टिगेशन, सोर्स प्वाइंट, डेस्टिनेशन प्वाइंट पर प्रभावी एवं विधिवत कार्यवाही करने हेतु निर्देश प्राप्त हुआ है। जिले में पुलिस के द्वारा लगातार चेंकिंग कार्यवाही की जा रही है, इसी दरमियान सूचना मिली की एक सिल्वर कलर की बोलेरो कार क्रमांक सीजी 10 एफए 5434 ग्राम पुटका से अवैध मादक पदार्थ गांजा लेकर सरायपाली की ओर जा रहे है कि सूचना से एनएच 53 रोड ग्राम पुटका चौक पहूंच कर नाकाबंदी किये जहां कुछ समय बाद एक सिल्वर कलर की बोलेरो क्रमांक सीजी 10 एफए 5434 आई बोरेलो वाहन में चार व्यक्ति बैठे थे जिन्हे नाम पता पूछने पर 01- उमेश भरत गोरे पिता भरत गोर उम्र 23 साल साकिन देवगांव थाना पारगांव जिला पुणे महाराष्ट, 02- विशाल भाउ साहेब मानधरे पिता भाउ साहेब मानधरे उम्र 21 साल साकिन दावरबाडी थाना वारूज जिला सम्भजी नगर औरंगाबाद महाराष्ट, 03- मो0 हबीब पिता मो0 अयुब उम्र 45 साल साकिन छोटे टेमरी थाना बसना जिला महासमुद छ.ग., 04- जेहरू कुलदीप पिता नारेन कुलदीप उम्र 76 साल साकिन पुटका थाना सिंघोडा जिला महासमुंद छ.ग. का होना बताये बोलेरो क्रमांक सीजी 10 एफए 5434 के पीछे सीट में प्लास्टिक बोरी के अंदर गांजा रखना बताये एवं उक्त गांजा को ग्राम पुटका (महासमुद) से देवगांव (पूणे) ले जाना बताये ।जिस पर विधिसम्मत कार्यवाही करते हुए आरोपियों से 11 किलो ग्राम गांजा कीमती 5,50,000 रूपये एवं परिवहन हेतु प्रयुक्त वाहन बोलेरो क्रमांक सीजी 10 एफए 5434 कीमती 7,00,000 रूपये, 04 नग मोबाईल कीमती 60,000 रूपये कुल जुमला 13,10,000 रूपये को जप्त किया गया है। आरोपियो का कृत्य अपराध धारा (20बी (दो)(सी), 29 -1) एनडीपीएस एक्ट का पाये जाने से चारो आरोपियो को विधिवत गिर0 किया जाकर थाना सिंघोडा में अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है। प्रकरण के आरोपियो को न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय पेश की कार्यवाही की जा रही है। यह सम्पूर्ण कार्यवाही एन्टी नारकोटिक टॉस्क फोर्स एवं थाना सिंघोडा पुलिस की टीम के द्वारा की गई।

लाइवलीहुड कॉलेज चोरभट्ठी में 'मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 2.0' विषय पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

बेमेतरा (समय दर्शन)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के आदेशानुसार एवं अध्यक्ष/प्रधान जिला न्यायाधीश श्रीमती सरोज नंद दास के मार्गदर्शन तथा श्रीमती अनिता कोशिमा रावटे, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा के निर्देशन में लाइवलीहुड कॉलेज चोरभट्ठी में ''मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 2.0'' विषय पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन एवं विद्यार्थियों को मध्यस्थता की प्रक्रिया, उसके लाभ तथा निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान करना था।

मध्यस्थता की प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी

शिविर में अधिकार मित्र श्री पंकज घृतलहरे, श्री धरमू बारले एवं श्री तरूण आनंद द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को बताया गया कि मध्यस्थता न्यायालयीन प्रक्रिया से भिन्न एक वैकल्पिक विवाद निवारण प्रणाली है। इसमें एक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मध्यस्थ दोनों पक्षों के बीच संवाद स्थापित कर उन्हें आपसी सहमति से समाधान तक पहुँचने में सहयोग करता है। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया लचीली, सरल एवं कानूनी जटिलताओं से मुक्त होती है, जिससे आपसी मतभेद कम होते हैं और सौहार्दपूर्ण वातावरण में समाधान संभव होता है। अधिकार मित्रों ने बताया कि मध्यस्थता से बहोत से लाभ प्राप्त होते हैं जैसे रिश्तों में आई दरार को सुधारने और संबंधों को पुनः स्थापित करने का अवसर मिलता है। पक्ष स्वयं अपने निर्णय लेने में सक्षम होते हैं। हिंसा, घृणा एवं तनाव से दूर रहकर सभ्य एवं संवादात्मक समाधान संभव होता है।

यह प्रक्रिया मुकदमे का विचारण नहीं करती और न ही गुण-दोष पर निर्णय देती है। न्यायिक प्रक्रिया की तुलना में यह कम खर्चीली है। सफलता की संभावना अधिक होती है तथा यह दोनों पक्षों के लिए लाभकारी सिद्ध होती है। पक्षों को एक-दूसरे की बात सुनने और भावनाओं को समझने का अवसर मिलता है। कुछ घंटों या दिनों में समाधान संभव है, जिससे समय की बचत होती है। समझौते से मानसिक शांति प्राप्त होती है। मध्यस्थता से निराकृत प्रकरणों में न्याय शुल्क की छूट भी प्रदान की जाती है।

शिविर में बताया गया कि मध्यस्थता के माध्यम से निम्नलिखित प्रकार के विवादों का समाधान संभव है दुर्घटना दावा प्रकरण, घरेलू हिंसा के मामले, चेक बाउंस प्रकरण, वाणिज्यिक विवाद, सर्विस मैटर, आपराधिक समझौता योग्य मामले, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली प्रकरण, विभाजन एवं बेदखली संबंधी मामले, भूमि अधिग्रहण प्रकरण कार्यक्रम में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई। नालसा टोल फ्री नंबर 15100 एवं सालसा मोबाइल नंबर 9340062331 के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की जानकारी साझा की गई। साथ ही पॉक्सो अधिनियम 2012, विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम के अंतर्गत उपलब्ध निःशुल्क कानूनी सहायता, आशा अभियान 2025 के अंतर्गत बाल विवाह को अपराध के रूप में रोकथाम, तथा साइबर अपराध में डिजिटल अरेस्ट एवं मनी म्यूल्स से संबंधित सावधानियों के बारे में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

कौशल विकास तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरू खुशवंत सिंह साहेब के मुख्य आतिथ्य में होगा समापन कार्यक्रम

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। जिले के शासकीय हाई स्कूल मैदान, जांजगीर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र जवे, जांजगीर में 11, 12 एवं 13 फरवरी 2026 को जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला 2026 का आयोजन किया जा रहा है। 13 फरवरी 2026 को कौशल विकास तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार अनुसूचित जाति विकास मंत्री श्री गुरू खुशवंत सिंह साहेब के मुख्य आतिथ्य में सायं 05 बजे समापन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि छत्तीसगढ़ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत एवं जांजगीर-चांपा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े होंगे।

कार्यक्रम में विधायक जांजगीर-चांपा ब्यास कश्यप, विधायक अकलतरा राघवेन्द्र कुमार सिंह, विधायक पामगढ़ श्रीमती शेषराज हरवंश, विधायक जैजैपुर बालेश्वर साहू, अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती सत्यलता आनंद मिरी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, पूर्व विधायक एवं अध्यक्ष खनिज विकास निगम सौरभ सिंह, पूर्व संसदीय सचिव अम्बेश जांगड़े, अध्यक्ष आदि उपस्थित थे।

''ब्रिलिएंट पलिक स्कूल बनारी, जांजगीर में 11वाँ स्थापना दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न''

जांजगीर (समय दर्शन)। ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल बनारी, जांजगीर में संस्था संचालक श्री आलोक अग्रवाल, डॉ. गिरिराज गढ़वाले एवं प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह के निर्देशन में विद्यालय का ''11वाँ स्थापना दिवस समारोह'' दिनांक 12 फरवरी 2026 को अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया था। छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, शिक्षकों एवं अतिथियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ एंकर प्राची पाठक द्वारा दिवस के परिचय के साथ किया गया। उनके द्वारा विद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक की उपलब्धियों, शैक्षणिक प्रगति एवं संस्कार आधारित शिक्षा पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात ''विद्यालय प्रबंधन एवं आमंत्रित अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया गया। समारोह का मुख्य आकर्षण रहा ''दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना''।

माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सरस्वती वंदना ने पूरे वातावरण को भक्तिमय एवं पवित्र बना दिया। संस्था की उप-प्राचार्या श्रीमती भिष्मिता साहू द्वारा अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में विद्यालय की शैक्षणिक यात्रा, शिक्षकों के समर्पण तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल केवल शिक्षा का केंद्र नहीं बल्कि संस्कार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों की पाठशाला है। कार्यक्रम को और भी जीवंत बनाते हुए ''यूकेजी के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुति'' दी गई। बच्चों की मासूम अदाओं और तालबद्ध नृत्य ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया और सभी ने तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया। संस्था की प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह द्वारा अपना संदेश देते हुए विद्यालय की उपलब्धियों, शिक्षकों के प्रयासों एवं अभिभावकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर ने बागबाहरा अंतर्गत संचालित पीएमश्री विद्यालयों का किया आकस्मिक निरीक्षण

महासमुन्द(समय दर्शन)। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने आज बागबाहरा विकासखण्ड अंतर्गत संचालित पीएमश्री विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री लंगेह ने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, आधारभूत संरचना तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति का सूक्ष्म अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री लंगेह विभिन्न कक्षाओं में पहुँचे और विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद स्थापित किया। उन्होंने आगामी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को तनावमुक्त रहकर योजनाबद्ध अध्ययन करने, समय प्रबंधन अपनाने तथा आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में सम्मिलित होने के महत्वपूर्ण टिप्स दिए। विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का उत्तर देते हुए उन्होंने अपने अनुभव साझा किए और प्रेरणादायी संदेश देकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

कलेक्टर को अपने बीच पाकर छात्र-छात्राएं अत्यंत उत्साहित एवं प्रेरित दिखाई दिए। निरीक्षण के दौरान जिला मिशन समन्वयक रेखराज शर्मा, बीईओ के. के. वर्मा, एपीसी श्रीमती सम्पा बोस, एबीईओ श्री मन्नाडे तथा आरईएस के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री लंगेह ने पीएमश्री शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय (सेजेस) बागबाहरा के नवीन निर्माणाधीन भवनों का निरीक्षण किया तथा बायोलॉजी, केमिस्ट्री, फिजिक्स प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय एवं कम्प्यूटर लैब का पृथक-पृथक अवलोकन किया। उन्होंने प्रयोगशालाओं में उपलब्ध उपकरणों, पुस्तकालय की व्यवस्था एवं कम्प्यूटर लैब के संचालन की जानकारी लेते हुए समुचित संधारण एवं नियमित रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित ठेकेदार को मार्च माह तक नवीन भवनों का कार्य पूर्ण करने के स्पष्ट निर्देश प्रदान किए। इसी क्रम में कलेक्टर श्री लंगेह ने पीएमश्री नवीन प्राथमिक शाला बागबाहरा का भी निरीक्षण किया। यहाँ उन्होंने छोटे बच्चों से स्नेहपूर्वक बातचीत की तथा उनकी पढ़ाई-लिखाई, उपस्थिति एवं अधिगम स्तर की जानकारी ली।

सरस्वती शिशु मंदिर पिरदा में वार्षिकोत्सव का आयोजन

बसना(समय दर्शन)। सरस्वती शिशु मंदिर, पिरदा में सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रमोद अग्रवाल (संचालक) बुलबुल ज्वेलर्स बसना एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती सीमा नायक (सभापति) जिला पंचायत, अमृत पटेल (प्राचार्य) रमेश कर (पूर्व प्राचार्य) श्रीमती मुस्कान राहुल अग्रवाल एवं मुख्य वक्ता के रूप में किशोर कुमार रथ की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि प्रमोद अग्रवाल कर कमलों से दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया एवं मुख्य अतिथि द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी दर्शकों को विद्यालय के बारे में और भैया बहनों के विकास के बारे में बताये।

श्रीमती सीमा नायक द्वारा विद्यालय के वातावरण और संस्कार के बारे में बताये। अन्य विशिष्ट अतिथि रमेश कर द्वारा शिशु मंदिर योजना के बारे में एवं अमृत लाल पटेल के द्वारा शिशु मंदिर का योगदान एवं समाज में स्थान को बताये। मुख्य वक्ता किशोर रथ द्वारा वर्तमान समय में चल रहे शिक्षा व्यवस्था के साथ शिशु मंदिर की शिक्षा व्यवस्था को बताये।

उक्त उत्सव में भैया बहिनों के द्वारा सांस्कृतिक उत्सव के माध्यम, बैठकी किर्तन, सम्बलपुरी नृत्य, एकांकी, भांगड़ा, राजस्थानी नृत्य , पौराणिक-नाटक की प्रस्तुति से सभी दर्शकों का मन मोह लिया।

इस उत्सव में मुख्य अतिथि प्रमोद अग्रवाल द्वारा विद्यालय में अध्ययनरत 522 भैयाङ्कबहनों के लिए पेयजल सुविधा के लिए बोर उत्खनन करने के लिए घोषणा किये, जिससे पूरा विद्यालय परिवार उनका हृदय से आभार व्यक्त किये हैं।

इस कार्यक्रम में उपस्थित विद्यालय के संयोजक देवचंद नायक द्वारा भैया बहिनों के संस्कार एवं कुशल नेतृत्व के लिए आव्हान किये।

इस कार्यक्रम का सफल संचालन ललीत बेहेरा (प्रधानाचार्य) एवं ऐश्वर्या राजपुत (आचार्या) द्वारा किया गया। इस आयोजन में समस्त पालक गण के साथ समिति परिवार के सदस्य रमेश प्रधान, गोवर्धन पटेल , निर्मल प्रधान, हेम सागर साहू, सम्पत लाल साहू, आचार्य परिवार योगेंद्र प्रधान, मुकेश साहू, अंकिता बाघ, संजू बारिक, अंजू साव, कुश दास, नरेश पटेल उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में धन्यवाद अर्पण राहूल अग्रवाल पिता टीटू अग्रवाल द्वारा किया गया।

संक्षिप्त समाचार

भारत में सैमसंग के अगले एआई स्मार्टफोन का प्री-रिज़र्वेशन शुरू

गुरुग्राम: देश की प्रमुख कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग ने अपने अगले एआई स्मार्टफोन के लिए भारत में प्री-रिज़र्वेशन की घोषणा कर दी है। इस नई गैलेक्सी S सीरीज़ स्मार्टफोन को 25 फरवरी को सैन फ्रांसिस्को में आयोजित 'गैलेक्सी अनपैक्ड' कार्यक्रम में पेश किया जाएगा। ग्राहक 999 रुपये की रिफंडेबल टोकन राशि देकर नए गैलेक्सी S सीरीज़ डिवाइस को प्री-रिज़र्व कर सकते हैं। प्री-रिज़र्वेशन Samsung.com, सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स, Amazon.in, Flipkart.com और देशभर के प्रमुख रिटेल आउटलेट्स पर उपलब्ध है। प्री-रिज़र्व करने वाले ग्राहकों को नए गैलेक्सी स् सीरीज़ डिवाइस की खरीद पर 2,699 रुपये तक के विशेष लाभ मिलेंगे। कंपनी के अनुसार, नई गैलेक्सी स् सीरीज़ को इस तरह तैयार किया गया है कि रोज़मर्रा के काम आसान हों, यूजर का आत्मविश्वास बढ़े और गैलेक्सी एआई फीचर्स शुरू से ही सहज और स्वाभाविक अनुभव दें।

प्यार की एक नई भाषा: वैलेंटाइन का उपहार जो देखभाल और सच्ची भावना को दर्शाए

वैलेंटाइन डे अब सिर्फ बड़े दिखावे या एक दिन के जश्न तक सीमित नहीं रह गया है। आज गिफ्ट देना ज्यादा व्यक्तिगत, सोच-समझकर और रोज़मर्रा की परवाह से जुड़ा गया है। लोग अब सिर्फ अपने जीवनसाथी ही नहीं, बल्कि दोस्तों, परिवार और खुद को भी इस दिन खास महसूस कराना चाहते हैं। ऐसे में लोग ऐसे उपहार पसंद कर रहे हैं जो दिल से जुड़े हों और रोज़मर्रा के काम भी आएं। इसी बदलाव केसाथ अब लोग चॉकलेट और फूलों से आगे बढ़कर नए और बेहतर विकल्पचुन रहे हैं। कैलिफोर्निया बादाम एक समझदारी भरा गिफ्ट विकल्प बनकरउभर रहे हैं — जो बेहतरीन स्वाद के साथ रोज़ की सेहत का भी ख्याल रखतेहैं। ये आसानी से दैनिक जीवन का हिस्सा बन जाते हैं, जिससे यह ऐसातोहफा बनता है जो वैलेंटाइन डे के बाद भी लंबे समय तक खास बना रहताहै। प्राकृतिक रूप से पोषक तत्वों से भरपूर और कई तरह से उपयोगी, कैलिफोर्निया बादाम आसानी से रोज़मर्रा की दिनचर्या में शामिल हो जाते हैं, खासकर सुबह की शुरुआत में। भीगे हुए बादाम, स्मूदी या नाश्ते के बाउल में इन्हें जोड़ा जा सकता है। ये संतुलित और बेहतर जीवनशैली अपनाने में मदद करते हैं। बादाम उपहार में देना इस बात का सरल तरीका है कि आपकी परवाह सिर्फएक दिन के लिए नहीं, बल्कि हर दिन के लिए है।

हर सुबह परवाह का एहसास देने वाला एक तोहफा- छोटी और नियमित आदतें अक्सर बड़ा बदलाव लाती हैं, और सुबह पूरे दिनकी दिशा तय करती है।

सुबह की दिनचर्या में कैलिफोर्निया बादाम शामिलकरना पोषण और ऊर्जा पाने की एक आसान शुरुआत है। प्रोटीन, फाइबरऔर हेल्दी फैट सहित 15 जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर बादाम रोज़ की सेहतके लिए सरल और असरदार विकल्प हैं। ऋतिका समद्दार, रीजनल हेड - डायटेटिक्स, मैक्स हेल्थकेयर, नई दिल्ली, ने कहा, मैं अक्सर दिन की शुरुआत कैलिफोर्निया बादाम से करने की सलाह देती हूँ, क्योंकि इसमें प्रोटीन और आहार फाइबर अच्छी मात्रा में होते हैं। सुबह नियमित रूप से बादाम खाने से ब्लड शुगर को बेहतर तरीके से नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है, फास्टिंग इंसुलिन स्तर संतुलित रखने में सहायक हो सकता है और लंबे समय तक पेट भरा महसूस होने से वजन प्रबंधन में भी मदद मिलती है। यह एक सरल आदत है जो लंबे समय तक स्वस्थ जीवनशैली को समर्थन देती है।

राजिम कुंभ कल्प में आधुनिक खेती का संदेश

उद्यानिकी स्टॉल में पाम फल बना आकर्षण का केंद्र

रायपुर/ संवाददाता

राजिम कुंभ कल्प मेला में इस वर्ष कृषि एवं उद्यानिकी विभाग का स्टॉल किसानों एवं मेला दर्शनार्थियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। तिलहन, दलहन तथा सब्जी फसलों की प्रदर्शनी के साथ पाम (ऑयल पाम) की खेती संबंधी जानकारी लोगों में खासा उत्साह जगा रही है। पाम के फल को पहली बार नजदीक से देखकर अनेक लोग आश्चर्य व्यक्त करते हुए इसके व्यावसायिक लाभ के संबंध में जानकारी लेते नजर आए। ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी ने बताया कि पाम की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए शासन द्वारा प्रति हेक्टेयर विभिन्न मदों में अनुदान प्रदान किया जा रहा है। फेंसिंग के लिए 54,485 रुपये, अंतरवर्ती फसल हेतु 10,250 रुपये, रखरखाव के लिए 6,550 रुपये तथा ड्रिप सिंचाई पर 22,765 रुपये तक का अनुदान दिया जाता है। वर्तमान में छुरा विकासखंड में लगभग 11 एकड़ क्षेत्र में पाम की खेती की जा रही है। पाम के पौधे कंपनियों द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं तथा उत्पादित फल को कंपनी 17 रुपये प्रति किलोग्राम के समर्थन मूल्य पर क्रय करती है। पौधरोपण के लगभग चार वर्ष बाद फल लगना प्रारंभ होता है, अतः किसान प्रारंभिक वर्षों में दलहन, तिलहन एवं सब्जियों की अंतरवर्ती खेती कर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। पाम से खाद्य तेल का उत्पादन होता है, जिससे इसकी बाजार में निरंतर मांग बनी रहती है। स्टॉल में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, जैविक खेती प्रोत्साहन, कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी जा रही है। ड्रिप एवं स्प्रिंकलर प्रणाली तथा फलदार पौधों के रोपण पर उपलब्ध अनुदान के संबंध में किसानों को मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। यह पहल किसानों को आधुनिक एवं लाभकारी खेती की ओर प्रेरित कर रही है। राजिम कुंभ कल्प मेला में विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल मेलार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इनमें संस्कृति, पर्यटन, पुरातत्व एवं धर्मस्व विभाग का स्टॉल विशेष रूप से श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भीड़ आकर्षित कर रहा है। बड़ी संख्या में आगंतुक यहां पहुंचकर प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। स्टॉल में विशाल एलईडी स्क्रीन के माध्यम से छत्तीसगढ़ के प्रमुख दर्शनीय स्थलों का आकर्षक प्रदर्शन किया जा रहा है, जिसे मेलार्थी रुचि के साथ देख रहे हैं। इसके साथ ही राजिम, डोंगरगढ़, सोनाखान, चंद्रखुरी, रायपुर, दंतेवाड़ा सहित अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों से संबंधित जानकारी वाली बुकलेट्स निःशुल्क वितरित की जा रही हैं। इन बुकलेट्स में संबंधित स्थलों की दूरी, आसपास के प्रमुख आकर्षण, आवास एवं ठहरने की सुविधाएं तथा यात्रा से जुड़ी आवश्यक जानकारियां विस्तारपूर्वक दी गई हैं। विशेष रूप से प्रत्येक बुकलेट में क्यूआर कोड प्रदान किया गया है, जिसे स्कैन कर मेलार्थी अपने मोबाइल पर संबंधित पर्यटन स्थल की विस्तृत एवं अद्यतन जानकारी तुरंत प्राप्त कर रहे हैं। राजिम कुंभ कल्प में एक ही स्थान पर प्रदेश के पर्यटन स्थलों की समग्र एवं उपयोगी जानकारी मिलने पर लोग इस अभिनव पहल को सराह रहे हैं। राजिम कुंभ कल्प मेला 2026 के दसवें दिन मुख्य मंच भक्ति रस से सराबोर हो उठा, जब सुप्रसिद्ध भजन गायिका स्वाति मिश्रा ने अपनी सुमधुर आवाज से हजारों श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उनकी प्रस्तुति शुरू होते ही पूरा पंडाल तालियों और हर-हर महादेव और जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। कार्यक्रम की शुरुआत उन्होंने भक्ति गीत से की, जिसके बाद एक से बढ़कर एक लोकप्रिय भजनों की प्रस्तुति दी। राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी की गूंज पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे। इसके साथ ही बरसाने की छोरी राधा गोरी-गोरी, मेरे चौखट पे चलकर आज चारों धाम आए हैं तथा राधा गोरी से ब्रज की छोरी से मैया करा मेरो ब्याह जैसे भजनों पर दर्शकों के साथ जनप्रतिनिधि झूमते दिखाई दिए। राजिम विधायक रोहित साहू ने तालियों से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

निजी सुरक्षा एजेंसी के संचालक श्रम नियमों का कर रहे उल्लंघन

- सुरक्षा कर्मियों से ले रहे 12 घंटे की ड्यूटी, पीएफ ईएसआई की सुविधा से भी कर रहे वंचित

रायपुर। संवाददाता

राजधानी के विभिन्न निजी संस्थानों में एवं बड़े उद्योगपतियों के यहां राजधानी रायपुर के विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के संचालकों द्वारा ग्रामीण क्षेत्र से आए युवक युवतियों को सुरक्षा कर्मियों के रूप में भर्ती कर ड्यूटी लगाई जाती है। राज्य शासन के नियमानुसार सुरक्षा का लाइसेंस भारतीय सेना के भूतपूर्व सैनिक अथवा राज्यपुलिस सेवा के रिटायर्ड अधिकारी को दिया जाता है। अन्य प्रांतों से आए सुरक्षा एजेंसी के संचालक प्रदेश में छाई बेरोजगारी का बेजा लाभ उठाकर सुरक्षा कर्मियों का शोषण कर रहे है। विभिन्न महिला एवं पुरुष गार्डों से 12 -12 घंटे से ड्यूटी ली जा रही है। वहीं महिला गार्ड रश्मि साहू के अनुसार श्रम नियमों का भी उल्लंघन किया जा रहा है। भविष्य निधि विभाग एवं श्रम विभाग द्वारा जारी नियमों के अनुसार दस से अधिक कर्मचारी होने पर पीएफ सुविधा एवं ईएसआई हास्पिटल में इलाज की सुविधा प्रत्येक सुरक्षा कर्मियों को अथवा अन्य संस्थानों की कर्मियों को दिया जा ना जरूरी है किंतु संचालकों द्वारा खुलेआम श्रम नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। अशोक चंद्राकर के अनुसार जो निजी माल में रात की ड्यूटी करते है। शुरू में भर्ती प्रक्रिया के दौरान ड्रेस आदि का पैसा वेतन से काटा जाता है। कहीं कहीं एक से दो महीने का वेतन जमा कराया जाता है। मजबूरी में विभिन्न विभिन्न माल्स में कार्यरत एवं चिकित्सा संस्थानों में कार्यरत महिला एवं पुरुष सुरक्षाकर्मियों द्वारा संचालकों द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन करना पड़ता है। शासकीय क्षेत्र में मेकाहारा में सुरक्षाकर्मियों की स्थिति सबसे दयनीय है यहां पर कई महिला एवं पुरुष सुरक्षा कर्मियों को तीन से चार महीने का वेतन नहीं मिला है।

आईसीएआर-आईआईएमआर ने पॉपकॉर्न मक्का में आत्मनिर्भरता की दिशा में उत्कृष्ट योगदान के लिए गॉरमेट पॉपकॉर्निका को सम्मानित किया

रायपुर: भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) - भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर) ने भारत की सबसे बड़ी पॉपकॉर्न कंपनी गॉरमेट पॉपकॉर्निका प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर एक रणनीतिक साझेदारी के सफल परिणाम प्रस्तुत किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य भारत की पॉपकॉर्न मक्का मूल्य श्रृंखला को सशक्त बनाना, किसानों की आय बढ़ाना और भारत को उच्च गुणवत्ता वाले पॉपकॉर्न मक्का उत्पादन का वैश्विक केंद्र बनाना है।

पिछले एक दशक में भारत का पॉपकॉर्न मक्का बाजार 50,000 टन से बढ़कर 1,30,000 टन से अधिक हो गया है। यह वृद्धि उच्च-विस्तार (हाई एक्सपैंशन) पॉपकॉर्न मक्का की सफल खेती और स्वदेशीकरण के कारण संभव हुई है। पहले भारत में उपभोग होने वाला लगभग 100 प्रतिशत पॉपकॉर्न आयात किया जाता था। आज घरेलू उत्पादन बाजार का लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा पूरा कर रहा है, जिससे आयात पर निर्भरता कम हुई है और किसानों के लिए आय का नया एवं स्थायी स्रोत बना है। पिछले पांच वर्षों में आईसीएआर-आईआईएमआर की वैज्ञानिक एवं कृषि विशेषज्ञता और गॉरमेट पॉपकॉर्निका के बड़े पैमाने पर उच्च-विस्तार पॉपकॉर्न मक्का उत्पादन के अनुभव ने विशेषीकृत मूल्य श्रृंखलाओं को सुदृढ़ किया है। यह सहयोग दर्शाता है कि विज्ञान-आधारित साझेदारियां किसानों की आय विविधीकरण और आयात निर्भरता कम करने में कितनी महत्वपूर्ण हैं। यह साझेदारी औपचारिक रूप से फरवरी 2021 में आईआईएमआर द्वारा विकसित पॉपकॉर्न हाइब्रिड LPCH 3 के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर के साथ प्रारंभ हुई। यह आईसीएआर-आईआईएमआर की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है जिसके तहत कृषि विज्ञान को किसानों के लिए ठोस आर्थिक परिणामों में बदला जा रहा है। दो वर्षों तक गॉरमेट पॉपकॉर्निका ने आईसीएआर-आईआईएमआर द्वारा विकसित भारतीय पॉपकॉर्न हाइब्रिड LPCH 3 (उच्च उपज, बेहतर पॉपिंग क्षमता, रोग एवं कीट प्रतिरोधी, परंतु मध्यम विस्तार) का उपयोग किया। इसके बाद भारतीय और अमेरिकी पॉपकॉर्न जर्मप्लाज्म के समन्वित प्रजनन कार्यक्रमों के माध्यम से ऐसे नए हाइब्रिड विकसित किए गए जिनमें उच्च उपज, उच्च विस्तार क्षमता तथा बेहतर रोग एवं कीट प्रतिरोध पाया गया। यह साझेदारी 'आत्मनिर्भर भारत' की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप है, जो ग्रामीण आजीविका, मूल्य संवर्धित कृषि और निर्यात क्षमता को बढ़ावा देती है। जो प्रयास विश्वस्तरीय पॉपकॉर्न को भारत में विकसित करने से शुरू हुआ था, वह अब एक राष्ट्रीय अवसर में बदल चुका है।

आईसीएआरङ्कआईआईएमआर की अनुसंधान उत्कृष्टता और गॉरमेट पॉपकॉर्निका की जमीनी कार्यक्षमता के साथ, भारत न केवल घरेलू मांग को पूरा करने के लिए तैयार है, बल्कि प्रीमियम गुणवत्ता वाले पॉपकॉर्न मक्का का विश्वसनीय निर्यातक बनने की दिशा में अग्रसर है।

बॉलीवुड सिंगर कनिका कपूर की होगी प्रस्तुति

मुख्यमंत्री साय करेंगे 13 फरवरी को मैनपाट महोत्सव का शुभारंभ

- एडवेंचर स्पोर्ट्स और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से गुलजार होगा छत्तीसगढ़ का शिमला

रायपुर/ एजेंसी

छत्तीसगढ़ के शिमला और छोटा तिब्बत के नाम से प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मैनपाट में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय मैनपाट महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। यह महोत्सव रोपाखार जलाशय के समीप 13 से 15 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। इस महोत्सव का आयोजन राज्य शासन के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग और जिला प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल करेंगे। ैनपाट महोत्सव में लोक गीत और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। 13 फरवरी को भोजपुरी सुपरस्टार मनोज तिवारी प्रस्तुति देंगे। साथ ही, छत्तीसगढ़ी गायक सुनील सोनी और ओडिशा का प्रसिद्ध छऊ नृत्य की प्रस्तुति होगी। 14 फरवरी को छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध लोक गायिका अलका चंद्राकर और इंडियन आइडल फेम वैशाली रायकवार अपनी सुरीली आवाज से शाम को यादगार बनाएंगी। 15 फरवरी को महोत्सव का मुख्य आकर्षण बॉलीवुड की मशहूर सिंगर कनिका कपूर होंगी। इसके साथ ही रायगढ़ घराने की कत्थक नृत्यांगना ज्योतिश्री वैष्णव और गायक आयुष नामदेव भी अपनी प्रस्तुति देंगे।

इसके साथ ही स्थानीय कलाकार और स्कूली बच्चों के द्वारा भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा मैनपाट महोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस मौके पर विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा विकास प्रदर्शनी लगाई जा रही है, जहां शासन की योजनाओं और स्थानीय उत्पादों जैसे टाऊ और तिब्बती हस्तशिल्प का प्रदर्शन होगा। महोत्सव स्थल पर एडवेंचर एक्टिविटी में पर्यटकों के लिए बोटिंग, साहसिक खेल और पारंपरिक दंगल का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव स्थल पर सुरक्षा, पार्किंग और पर्यटकों की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

भारत की स्पैम ढाल: ट्रूकॉलर कम्युनिटी ने 2025 में लगभग 1,200 करोड़ अनचाही कॉल्स को रोका

नई दिल्ली: 2025 में भारत में लोगों को 4,000 करोड़ से ज़्यादा स्पैम कॉल आए, जो धोखाधड़ी, परेशानी और डिजिटल जोखिम के बढ़ते खतरे को दिखाते हैं। भारत में हर फ़ोन कॉल का अपना महत्व होता है—यह अवसरों के द्वार खोल सकती है, ज़रूरी जानकारी पहुँचा सकती है या लोगों को गंभीर खतरे में भी डाल सकती है। जैसे-जैसे देश विकसित भारत के लक्ष्य के तहत तेज़ी से डिजिटल और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे संचार पर भरोसा प्रगति की एक अहम नींव बन गया है। ट्रूकॉलर की नई रिपोर्ट बताती है कि इनमें से 1,189 करोड़ अनचाही कॉल उपयोगकर्ताओं तक पहुँचने से पहले ही ब्लॉक कर दी गईं। इससे लाखों लोगों को ठगी, समय की बर्बादी और बेवजह के तनाव से बचाया जा सका, खासकर ऐसे समय में जब देश की अर्थव्यवस्था तेज़ी से डिजिटल रूप से जुड़ रही है। देश में 100 करोड़ से ज़्यादा सक्रिय फ़ोन कनेक्शन हैं, जो व्यापार, शासन और व्यक्तिगत रिश्तों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में ट्रूकॉलर ने आज अपनी 2025 इंडिया इनसाइट्स रिपोर्ट जारी की है, जो डेटा के ज़रिए यह दिखाती है कि स्पैम और धोखाधड़ी देश के संचार के माहौल को कैसे बदल रहे हैं और टेक्नोलॉजी हर दिन करोड़ों लोगों की सुरक्षा कैसे कर रही है। यह रिपोर्ट 2025 के दौरान लिए गए इन निर्णयों के प्रभाव को सामने लाती है, साथ ही डिजिटल जोखिम के व्यापक स्तर और उससे बचाव के बढ़ते महत्व को भी स्पष्ट करती है। ऐसे देश में जहाँ कनेक्टिविटी हर स्तर पर अवसरों को आगे बढ़ा रही है, वहाँ भरोसा हमारी सबसे कीमती डिजिटल संपत्ति बन गया है, ट्रूकॉलर के सीईओ रिशित झुनझुनवाला ने कहा। आज धोखाधड़ी सिर्फएक तकनीकी समस्या नहीं है, बल्कि एक मानवीय समस्या भी है। यह उन पलों में डर, जल्दबाज़ी और अनिश्चितता का फायदा उठाती है जो सबसे ज़्यादा मायने रखते हैं। हमारी ज़िम्मेदारी है कि किसी भी भारतीय को जुड़े रहने और सुरक्षित रहने के बीच चुनाव न करना पड़े।

गोदरेज एग्रोवेट ने नया कीटनाशक 'टकाई' लॉन्च किया

रायपुर। भारत की अग्रणी विविधीकृत कृषि-व्यवसाय कंपनियों में से एक, गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड ने धान की फसल के लिए एक नया कीटनाशक 'टकाई ' लॉन्च किया है। आईएसके जापान द्वारा विकसित साइक्लेप्रिनइ तकनीक से संचालित टकाई धान की फसल में प्रमुख कीट स्टेम बोरर पर प्रभावी है और लीफफोल्डर को भी नियंत्रित करता है।

जब इसे 15-30 दिन बाद रोपाई (डीएटी) पर 160 मिली की मात्रा में तथा पुनः 40-60 डीएटी के दौरान प्रयोग किया जाता है, तो यह धान की फसल को लंबे समय तक व्यापक सुरक्षा प्रदान करता है। कंपनी मक्का, मिर्च, पत्तागोभी, सोयाबीन, चना और गन्ना फसलों के लिए भी टकाई के लेबल अनुमोदन की प्रक्रिया में है। तना छेदक के प्रकोप से गंभीर स्थिति में 30त्न से 40त्न तक उत्पादन हानि हो सकती है, जबकि लीफफोल्डर के प्रकोप से 20त्न से 30त्न तक उपज प्रभावित

होती है। ये कीट अक्सर फसल के शुरुआती और मध्य विकास चरणों में हमला करते हैं, जब इनकी पहचान और समय पर नियंत्रण करना चुनौतीपूर्ण होता है। इसी कारण, विश्व में धान का सबसे बड़ा उत्पादक होने के बावजूद (150.18 मिलियन टन उत्पादन), भारत की प्रति हेक्टेयर उपज लगभग 2.9 टन है, जो वैश्विक सर्वोत्तम औसत 5 टन प्रति हेक्टेयर से काफी कम है।

गोदरेज एग्रोवेट के एमडी एवं सीईओ, सुनील कटारिया ने कहा, भारतीय धान किसान की सफलता में प्रभावी कीट प्रबंधन निर्णायक भूमिका निभाता है। टकाई के माध्यम से हम किसानों को ऐसा समाधान प्रदान करना चाहते हैं जो तेज़ी से कीटों पर नियंत्रण करे और लंबे समय तक प्रभावी रहे, जिससे फसल का स्वास्थ्य बेहतर हो।

उन्होंने आगे कहा, गोदरेज एग्रोवेट में हमारा प्रयास किसानों को ऐसी फसल सुरक्षा समाधान देना है जो पर्यावरण और बाज़ार से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने में मदद करें। आज टकाई का लॉन्च हमारी उस रणनीति के अनुरूप है, जिसके तहत हम अपने अनुसंधान कौशल और मजबूत जमीनी पहुंच का उपयोग करते हुए प्रमुख फसलों के लिए अपना पोर्टफोलियो मजबूत कर रहे हैं, ताकि किसानों और उनके परिवारों को सशक्त बनाया जा सके।

धान एक बहु-ऋतु फसल है ङ्क खरीफ, रबी और ग्रीष्म ङ्क और यह गर्म, आर्द्र तथा जल-भराव वाली परिस्थितियों में उगाई जाती है, जो पूरे वर्ष कीट प्रकोप के लिए अनुकूल होती हैं। शुरुआती महत्वपूर्ण अवस्था यानी 15ङ्क30 डीएटी (वनस्पतिक अवस्था) में तना छेदक पौधों को नुकसान पहुंचाता है, जिसे पहचानना किसानों के लिए कठिन होता है। बाद में 40ङ्क60 डीएटी (प्रजनन अवस्था) में तना छेदक और लीफ फोल्डर दोनों फसल पर हमला करते हैं।

लीफ फोल्डर पत्तियों को मोड़कर उनके ऊतक को खाता है, जिससे प्रकाश संश्लेषण क्षेत्र कम हो जाता है और फसल की वृद्धि प्रभावित होती है। इन अवस्थाओं में टकाई का प्रयोग 160 मिली की मात्रा में 15-30 दिन तथा पुनः 40-60 डीएटी पर करने की सलाह दी जाती है।

टकाई के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, गोदरेज एग्रोवेट के क्रॉप प्रोटेक्शन बिज़नेस के जनरल मैनेजर मार्केटिंग ङ्क अनिल कुमार चौबे ने कहा, हमारे प्री-लॉन्च सर्वेक्षण में 77त्न किसानों ने तेज़ कीट नियंत्रण, लंबे समय तक असर और बेहतर फसल स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी। इसी कारण आईएसके जापान के साथ हमारी साझेदारी के माध्यम से हम टकाई को भारतीय किसानों के लिए लेकर आए हैं। साइक्लेप्रिनइ तकनीक से युक्त यह उत्पाद कीटों के भोजन करने की प्रक्रिया को तेजी से रोकता है और लंबे समय तक प्रभावी नियंत्रण प्रदान करता है। यह दृष्टिकोण किसानों को इनपुट लागत को अनुकूल बनाने, अधिक स्थिर और उच्च गुणवत्ता वाली उपज सुनिश्चित करने में मदद करता है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

नगर निगम मुख्यालय, रंग मंदिर के पास, गांधी चौक, छोटापारा, रायपुर (छ.ग.)

फोन नं- 0771-2535780, 90, फैक्स : 0771-2227395: ई-मेल :- dc_rmo@rediffmail.com

क्रमांक 401 / का.अ./फिल्टर प्लांट/ननि /26 — रायपुर, दिनांक 12/02/2026

--: निविदा आमंत्रण सूचना :--

नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा नगर निगम रायपुर एवं अन्य शासकीय अथवा अर्द्धशासकीय विभागों में कार्य के अनुभवी एवं सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/ फर्म से निर्धारित प्रपत्र में निर्धारित समयावधि में सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। सभी सीलबंद निविदाएं स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक से कार्यपालन अभियंता फिल्टर प्लांट नगर पालिक निगम रायपुर को प्रेषित की जावेगी। निविदा खोलने के समय ठेकेदारों अथवा उनके प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते है। विवरण निम्नानुसार है :

1. आवेदन प्राप्त करने अंतिम तिथि एवं समय :- 24.02.2026 सायं काल 05.00 बजे तक
2. परीक्षण उपरांत योग्य निविदाकारों को निविदा जारी करने की अंतिम तिथि :- 27.02.2026 सायं काल 02.00 बजे तक
3. निविदा जमा करने अंतिम तिथि एवं समय :- 28.02.2026 सायं काल 03.00 बजे तक
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :- 05.03.2026 सायं काल 04.00 बजे तक

क्र.	विवरण	प्राक्कलन राशि	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि	प्रपत्र का प्रकार
1.	इंटेकवेल स्थित नीर, क्षीर, खारून पंप हाउस तथा 47.5 एम.एल.डी. प्लांट पंप हाउस स्थित विभिन्न क्षमता के मोटरों का रिवाइडिंग कार्य।	9,93,560.00	10000.00	750/-	12 माह	B

नियम शर्तें :-

1. निविदा से संबंधित अन्य शर्तें एवं जानकारी कार्यालयीन तिथि / समय में फिल्टर प्लाट नगर पालिक निगम, रायपुर रावणभाठा से प्राप्त की जा सकती है।
2. अमानती राशि (**FDR**) आयुक्त महोदय, नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय होगा।
3. किसी भी निविदा को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार आयुक्त, न.पा.नि. रायपुर को होगा।
4. निविदाकारों को लिफाफा अ में अमानती राशि का **FDR**, निविदा प्रपत्र के मूल्य का **DD** एवं **Pan Card/GST Certificate/PWD Registration/3 year tax return** इत्यादि दस्तावेज की सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करना होगा तथा लिफाफा ब में निविदा दर, डाउनलोड किये गये निविदा प्रपत्र में अंको एवं शब्दों में स्पष्ट अक्षरो में लिखा होना चाहिए। निविदा दर में कांट-छांट नही होना चाहिए। दोनो लिफाफा को एक अलग से बड़े लिफाफा में भरकर सीलबंद कर जमा करना होगा।
5. निविदाकारो को लिफाफा अ में आमानती राशि का **FDR**, निविदा प्रपत्र के मूल्य का **DD** एवं **Pan Card/GST Certificate/PWD Registration/3 year tax return** इत्यादि दस्तावेज की सत्यापित प्रतिलिपि सही पाये जाने के उपरांत ही लिफाफा ब खोला जावेगा।
6. इसके अलावा नगर पालिक निगम, रायपुर के वेबसाईट http://nagarnigamraipur.nic.in से भी डाउनलोड कर निविदा डाल सकते है। डाउनलोड करने में निविदा प्रपत्र की राशि निविदा के साथ डी.डी. के रूप में जमा करना होगा। निविदा प्रपत्र कार्यपालन अभियंता, फिल्टर प्लांट नगर पालिक निगम रायपुर रावणभाठा को प्रेषित करना होगा।

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

कार्यपालन अभियंता
फिल्टर प्लांट
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

संपादकीय

अमल की ताक में अदालत के महत्वपूर्ण आदेश

आरटीई कानून लागू हुए 16 वर्ष गुजर गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश से जाहिर है कि सरकारों ने उस धारा के तहत अपने दायित्व को नहीं निभाया। यानी लड़कियों के लिए अलग शौचालय की जरूरत पूरी नहीं की गई। सुप्रीम कोर्ट की इस व्याख्या का ऊंचा सैद्धांतिक महत्त्व है कि मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संविधान प्रदत्त जीवन के मौलिक अधिकार का अभिन्न अंग है। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की खंडपीठ ने कहा कि स्कूलों में लड़कियों को इससे संबंधित सुविधाएं मिलें, यह सरकारों को सुनिश्चित करना चाहिए। इस सिलसिले में लड़के, लड़कियों, और ट्रांसजेंडर्स के लिए अलग शौचालय बनाने तथा लड़कियों को सेनेटरी पैड मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। कोर्ट की ये राय सटीक है कि मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य के सुरक्षित, प्रभावी, और किफायती उपाय उपलब्ध ना होने पर लड़कियों की गरिमा प्रभावित होती है। इसलिए अदालत ने इन सुविधाओं को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत बालिकाओं का मौलिक अधिकार बना दिया है। यानी न्यायालय ने जीवन के अधिकार संबंधी अनुच्छेद का विस्तार किया है। ठीक ऐसा ही विस्तार एक दशक पहले कोर्ट की एक संविधान पीठ ने किया था, जब निजता को नागरिकों का मौलिक अधिकार घोषित किया गया। दरअसल, गुजरे दशकों में कोर्ट ने अपने कई महत्त्वपूर्ण निर्णयों एवं व्याख्याओं के जरिए नागरिक समाज के विभिन्न समूहों के मौलिक अधिकारों का विस्तार किया है। लेकिन बात घूम-फिर कर अमल पर आ जाती है। पूर्व निर्णय से निजता कितनी सुरक्षित हुई? खुद संसद ने जीवन के बुनियादी हक संबंधी अनुच्छेद 21 में उपधारा 21-ए जोड़कर प्राथमिक शिक्षा को बच्चों का मूल अधिकार बनाया था। उसके तहत स्कूल को खास ढंग से परिभाषित किया गया, जिसमें लड़कियों के लिए अलग से शौचालय की अनिवार्यता उपलब्धता शामिल है। यह कानून लागू हुए 16 वर्ष गुजर गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश से जाहिर है कि सरकारों ने उस धारा के तहत अपने दायित्व को नहीं निभाया। यानी ये जरूरत पूरी नहीं की गई। तो नए आदेश पर पालन सुनिश्चित कौन कराएगा? इसका उल्लंघन होने पर जवाबदेही कैसे तय होगी? यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अनेक संवैधानिक प्रावधान, कानून, और सर्वोच्च अदालत के महत्त्वपूर्ण आदेश आज भी अमल की ताक में हैं। अत: सुप्रीम कोर्ट को इस समस्या का भी निवारण करना चाहिए। वरना, उसका ताजा निर्णायक भी महज सैद्धांतिक रूप से महत्त्वपूर्ण बना रह जाएगा।

औशंकराचार्य वाला विवाद खड़ा

हरिशंकर व्यास

सोशल मीडिया में कहा जा रहा है कि साजिश के तहत यूजीसी के नियम जारी किए गए। औशंकराचार्य वाला विवाद खड़ा किया गया। कई लोगों ने कहा कि नरेंद्र मोदी को कमजोर करने और उनके सबसे निष्ठावान वोट को उनसे अलग करने के लिए किसी ने अंदर से साजिश की और यूजीसी का नियम जारी हुआ। कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री को इसका अंदाजा हो गया इसलिए सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में इस पर रोक लगाने का विरोध नहीं किया। सवाल है कि जिस पार्टी में नेता, मंत्री, अधिकारी सब ऊपर के आदेश से ही सांस लेते हैं वहां किसने ऐसा करने की साजिश की?

भाजपा इकोसिस्टम के लोग शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को निशाना बना रहे हैं। वे पिछड़ी जाति से आते हैं और खुल कर पिछड़ा राजनीति करने में यकीन करते हैं। कहा जा रहा है कि ओडिशा का मुख्यमंत्री नहीं बनाए जाने के बाद जब भाजपा का अध्यक्ष पद भी हाथ से निकला तो संसदीय समिति की सिफारिशों में अदलाबदली करके प्रधान ने ऐसा नियम जारी करवा दिया, जिससे पार्टी फंसी। शंकराचार्य वाले मामले को दिल्ली बनाम लखनऊ के विवाद और साजिश के तौर पर प्रचारित किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि दिल्ली के इशारे पर सब कुछ हुआ है।

यूजीसी नियमों में साजिश का दूसरा पहलू दिल्ली बनाम लखनऊ के विवाद के तौर पर पेश किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि जान बूझकर अगड़ा बनाम पिछड़ा का मुद्दा बनाया गया और अगड़ों के विरोध को खूब फैलाया गया। ध्यान रहे उत्तर प्रदेश में बाकी किसी भी राज्य के मुकाबले अगड़ी जातियां खास कर ब्राह्मण, राजपूत और भूमिहार सबसे ज्यादा हैं। अगर वे भाजपा से नाराज होते हैं तो अगले साल के चुनाव में उसे बड़ा नुकसान हो सकता है। लेकिन अगर इसका उलटा हो गया तो क्या होगा? अगर अगड़े नाराज हुए और सचमुच पिछड़े भाजपा के पक्ष में गोलबंद हो गए तब तो यह दांव मास्टरस्ट्रोक बन जाएगा?

हालांकि साजिश थ्योरी वाले इसे नहीं मान रहे हैं। उनका कहना है कि 18 फीसदी मुस्लिम और 10 फीसदी यादव तो पूरी तरह से सपा के साथ हैं। 20 फीसदी दलितों में से हर हाल में 10 फीसदी दलित मायावती का साथ देंगे। अगर 20 से 22 फीसदी सवर्ण भाजपा से छिटके तो भाजपा बुरी तरह से हारेगी। तभी साजिश थ्योरी वाले इसे योगी आदित्यनाथ को कमजोर करने की साजिश के तौर पर देख रहे हैं।

इसी तरह, शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के पिछले दिनों देश के एक बडे उद्योगपति के यहां जाने की तस्वीरें प्रसारित की जा रही हैं और कहा जा रहा है कि योगी आदित्यनाथ को कमजोर करने के लिए यह साजिश रची गई। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शंकराचार्य के प्रति सद्भाव दिखाया और उनसे अनशन समाप्त करने की अपील की थी। इस पर कहा जा रहा है कि वे दिल्ली के नेता के करीबी हैं। इसलिए उन्होंने अलग लाइन पकड़ी।

अब सवाल है कि अगर कोई साजिश थी तो योगी आदित्यनाथ को किसने रोका था कि वे अपने प्रशासन के लोगों को शंकराचार्य के पास भेजें और मामला खत्म कराए? उनको मनाने का जो काम शंकराचार्य के माघ मेला छोड़ने के बाद किया गया वह पहले भी हो सकता था। जो हो इन दोनों घटनाओं ने देश की राजनीति में नए सिरे से ध्रुवीकरण की संभावना को जन्म दिया है। तभी यह भी माना जा रहा है कि नरेंद्र मोदी यथास्थिति को तोड़ते रहते हैं ताकि समाज और राजनीति में उथलपुथल मचा कर अपनी लोकप्रियता कायम रखे।

समस्याओं के निराकरण के बजाए अखाड़ा बनी संसद

योगेंद्र योगी

देश में मौजूद गंभीर मुद्दों पर चर्चा और उनके समाधान के प्रयासों के बजाए निहित राजनीतिक स्वार्थों के लिए संसद में दलगत राजनीति भारी पड़ रही है। संसद सत्तारुढ़ और विपक्ष के लिए अखाड़ा बनी हुई है। देश के कर्णधारों को देश की बिगड़ती दिशा–दशा की कोई परवाह नहीं है। दिल्ली अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और अन्य शोधों के अनुसार, वायु प्रदूषण न केवल श्वसन प्रणाली, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। जहरीली हवा के लंबे समय तक संपर्क में रहने से तनाव, चिंता, अवसाद (डिप्रेशन), संज्ञानात्मक हानि और बच्चों में एडीएचडी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं, जिसे विशेषज्ञ एक 'मानसिक स्वास्थ्य आपातकाल' मान रहे हैं।

एरोसोल सूक्ष्म कणों पीएम 2.5 और जहरीली गैसों से दिमागी सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव होता है, जो अवसाद और चिड़चिड़ापन पैदा करता है। प्रदूषण के कारण वयस्कों में भावनात्मक थकान, निर्णय लेने की क्षमता में कमी और बच्चों में सीखने में कठिनाई देखी जा रही है। लंबे समय तक प्रदूषित हवा में रहने से अल्जाइमर और पार्किंसंस जैसे तंत्रिका अपक्षयी विकारों का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन बताते हैं कि पीएम 2.5 के एरोसोल घटक, डिप्रेशन और चिंता से सीधे जुड़े हैं। एम्स की एक अन्य रिसर्च में स्पीच एनालिसिस तकनीक के जरिए डिप्रेशन की पहचान की जा रही है, जो बताता है कि मानसिक स्वास्थ्य पर प्रदूषण का असर कितना गहरा है। विशेषज्ञों के अनुसार, स्मॉग के दौरान बाहर निकलने से बचें, मास्क का उपयोग करें, घर में एयर प्यूरीफायर लगाएं और तनाव कम करने के लिए योग व स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं।

इसी तरह इंडियन साइकियाट्रिक सोसायटी की 77वीं वार्षिक राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में विशेषज्ञों ने बताया कि आज भारत में करीब 60 प्रतिशत मानसिक रोग 35 साल से कम उम्र के लोगों में पाए जा रहे हैं। यह आंकड़ा इसलिए चिंताजनक है क्योंकि यही उम्र पढ़ाई पूरी करने, करियर बनाने और समाज में सक्रिय भूमिका निभाने की होती है। अगर इसी समय मानसिक समस्याएं शुरु हो जाएं और उनका इलाज न हो, तो इसका असर पूरी जिंदगी पर पड़ सकता है। कांफ्रेंस में यह भी बताया गया कि कोविड-19 महामारी, आर्थिक अस्थिरता और बदलती सामाजिक संरचना ने युवाओं के तनाव को और बढ़ा दिया है। महामारी के बाद पढ़ाई, नौकरी और भविष्य को लेकर अनिश्चितता ने चिंता और डिप्रेशन के मामलों में इजाफा किया है।

जिम्मेदार राष्ट्र सूचकांक:2026 में सिंगापुर पहले स्थान पर काबिज है, वहीं भारत 16वें नंबर पर है। रिपोर्ट में यह आंका गया है कि कोई देश अपने लोगों और पूरी दुनिया के लिए कितना जिम्मेदार है। इस सूची में सिंगापुर को दुनिया का सबसे जिम्मेदार देश घोषित किया गया है। सिंगापुर ने शासन, समाज और पर्यावरण के क्षेत्र में बेहतर काम करके पहला स्थान हासिल किया है। इसी तरह साल 2026 के ग्लोबल सॉफ्ट पावर इंडेक्स में भारत 48.0 के स्कोर के साथ इस फेहरिस्त में 32वें स्थान पर है। यह पिछले साल के मुकाबले दो स्थान नीचे और 1.8 अंक कम है। सॉफ्ट पावर किसी देश की उस क्षमता को कहते हैं, जिसमें वह सैन्य बल के बजाय अपनी संस्कृति और मूल्यों से दूसरे देशों को प्रभावित करता है।

विश्व रैंकिंग में भारत का स्थान और घरेलू आतंरिक चुनौतियों पर चर्चा और इनके समाधान के बजाए सबसे बड़ा लोकतांत्रिक मंच संसद तमाशा बनी हुई है। सांसद देश की वास्तविक समस्याओं पर चर्चा करने के बजाए गरिमा को तार–तार करने में लगे हुए हैं। संसद के मौजूदा सत्र में लोकसभा में भारी हंगामे के दौरान कुछ सांसदों ने स्पीकर के आसन की ओर कागज फेंके, जिसके बाद उन्हें सत्र की बाकी अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। यह कार्रवाई संसदीय कार्य मंत्री के प्रस्ताव पर हुई, जिसे सदन ने मंजूर कर लिया। दरअसल, राहुल गांधी को बोलने से रोके जाने पर विपक्षी दल भड़क गए थे और हंगामा शुरू कर दिया था। इस मामले में कुल आठ सांसदों पर कार्रवाई हुई और उन्हें निलंबित कर दिया गया।

लोकसभा में पीएम मोदी का अभिभाषण होना था, उनको धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देना था। इसके लिए पीएम मोदी लोकसभा में पहुंच भी चुके थे। लेकिन उनका अभिभाषण शुरू होने से पहले ही सदन की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष के हंगामे की वजह से सदन की कार्यवाही स्थगित की गई। भारत-यूएस ट्रेड डील पर केंद्रीय वाणिज?य मंत्री पीयूष गोयल ने सरकार का पक्ष रखना शुरू किया था, तो विपक्षी सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया था। पीयूष गोयल ने इस दौरान कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील पर कहा कि इसमें किसानों के हितों को सुरक्षित रक्षा गया है। इससे पहले राहुल गांधी आज फिर संसद में पूर्व आर्मी चीफ नरवणे की वो किताब लेकर पहुंचे। लोकसभा में लगातार हंगामा होता रहा।

यही वजह है देश के युवा और उद्यमियों का लगातार भारत से मोह भंग हो रहा है। पिछले साल 2024 में भारत के दो लाख से भी ज्यादा अमीर लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ दी। भारत छोड़कर विदेशों में बसने का चलन साल दर साल लगातार बढ़ रहा है। आंकड़े बताते हैं कि देश के लोगों को भारत की लाइफस्टाइल और यहां की आबो-हवा पसंद नहीं आ रही है, लेकिन उनको विदेशी धरती की लाइफस्टाइल ज्यादा लुभावनी और सुरक्षित लग रही है। साल 2024 में 2 लाख 6 हजार लोगों ने भारत की नागरिकता छोड़ दी। साल 2023 में 2 लाख 16 हजार 219 लोगों ने भारत की नागरिकता छोड़ दी थी। विशेषज्ञों का मानना है कि शिक्षा और नौकरियों के सीमित अवसर, सामाजिक असमानता और राजनीतिक माहौल लोगों को देश छोड़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। देश के बजाए निहित राजनीतिक हितों को प्राथमिकता देने से समस्याओं का अंबार कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इससे पहले कि हालात बेकाबू हों देश के कर्णधार जिम्मेदारी का एहसास करें और समस्याओं के निदान में गंभीरता दिखाएं।

विकसित भारत 2047 की ओर स्मार्ट रास्ता - हड़ताल नहीं, बल्कि श्रम संहिता

डॉ. दीपक जायसवाल

पीढ़ियों से, भारत के श्रमिकों ने एक पुरानी और टुकड़ों में बंटी श्रम प्रणाली का बोझ उठाया है, जो अक्सर उनके वेतन, सुरक्षा और कार्यस्थल पर गरिमा की रक्षा करने में विफल रही है। असंगठित, संविदा और उभरते गिग क्षेत्रों के करोड़ों श्रमिक नीति-परिदृश्य में अदृश्य रहे हैं और बुनियादी सामाजिक सुरक्षा से वंचित रहे हैं। चार श्रम संहिताएँ इन ऐतिहासिक अन्यायों का सुधार करने के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित प्रयास का प्रतिनिधित्व करती हैं। लगभग तीन दर्जन अलग-अलग कानूनों को एक सुसंगत, एकल ढांचे में लाकर, ये संहिताएँ न्यायसंगत वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल और उन लोगों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास करती हैं, जो लंबे समय से वंचित रहे हैं। वर्षों के परामर्श और बहस के बाद इनका कार्यान्वयन, श्रमिकों के अधिकारों को मजबूत करने तथा अधिक स्थिर और मानवतापूर्ण रोजगार वातावरण बनाने में निर्णायक क्षण का प्रतीक है।

एक जिम्मेदार ट्रेड यूनियन संगठन के रूप में, भारतीय ट्रेड यूनियनों का राष्ट्रीय मोर्चा (एनएफआईटीयू), कामगारों की दीर्घकालिक भलाई, गरिमा और सामाजिक सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मोर्चा दृढ़ता से मानता है कि 12 फरवरी को श्रम संहिताओं के खिलाफ हड़ताल में भाग लेना न तो आवश्यक है और न ही वर्तमान समय में श्रमिक वर्ग के सर्वोत्तम हित में है।

श्रम संहिताएं कोई अचानक या एकतरफा हस्तक्षेप नहीं हैं। ये दो दशकों से अधिक समय तक चली सुधार प्रक्रिया का परिणाम हैं। 29 अलग-अलग श्रम कानूनों को चार व्यापक संहिताओं में समेकित करने की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी, ताकि अनुपालन को सरल बनाया जा सके, अस्पष्टता को कम किया जा सके तथा कार्य और रोजगार की बदलती वास्तविकताओं के अनुरूप भारत की श्रम रूपरेखा को आधुनिक बनाया जा सके।

श्रम संहिताओं को पूरी तरह खारिज करना उन मौलिक लाभों की उपेक्षा करता है, जो वे श्रमिकों को प्रदान करने का प्रयास करती हैं। वेतन संहिता सार्वभौमिक न्यूनतम वेतन कवरेज और समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित करती है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में लंबे समय से मौजूद वेतन सुरक्षा के अंतर को दूर किया जा सकता है। सामाजिक सुरक्षा संहिता, पहली बार, असंगठित, संविदा, गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा की विधायी रूपरेखा तैयार करती है। इन श्रमिकों की संख्या लगभग 40 करोड़ है और पहले ये श्रमिक औपचारिक सुरक्षा व्यवस्था से बाहर थे। ये प्रावधान भारत में श्रमिकों के अधिकारों और सामाजिक सुरक्षा कवरेज का ऐतिहासिक विस्तार प्रस्तुत करते हैं। औद्योगिक संबंध संहिता तथा पेशे से जुड़ी सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य-परिस्थिति संहिता का उद्देश्य औद्योगिक सद्भाव, तेज विवाद निवारण और सुरक्षित, स्वस्थ व अधिक सम्मानजनक कार्यस्थलों को बढ़ावा देना है। कुछ प्रावधानों को लेकर चिंताएँ हो सकती हैं, अनुभव बताते हैं कि व्यापक विरोध और हड़तालों से शायद ही रचनात्मक परिणाम मिलते हैं। संवाद, नियम-आधारित सुधार और मुद्दा-विशेष पर चर्चा के जरिये श्रमिकों के हित बेहतर तरीके से पूरे किये जा सकते हैं, बजाय इसके कि आपस में टकराव हो, जिससे पारिश्रमिक हानि, उत्पादन में रुकावट और रोजगार असुरक्षा का जोखिम पैदा होता है–विशेष रूप से श्रम बल के सबसे कमजोर वर्गों के लिए।

यह दावा करना भी गलत है कि श्रम संहिताएँ बिना परामर्श के लागू की गई हैं। सुधार प्रक्रिया में त्रिपक्षीय चर्चाओं के कई दौर, संसद की स्थायी समितियों में विचार-विमर्श और विभिन्न हितधारकों के साथ संवाद शामिल थे। एक लोकतांत्रिक प्रणाली में, मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन इन्हें बातचीत और संस्थागत संवाद के माध्यम से हल किया जाना चाहिए, न कि उन व्यवधानों के द्वारा जो अंततः स्वयं श्रमिकों को ही नुकसान पहुंचाते हैं।

जब भारतीय अर्थव्यवस्था संरचनात्मक रूपांतरण के दौर से गुजर रही है और राष्ट्र विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है, श्रमिक संघों को विघटन के बजाय जिम्मेदार कार्रवाई का चयन करना चाहिए। हमारी भूमिका केवल सुधारों का विरोध करना नहीं है, बल्कि उन्हें इस तरह आकार देना है कि श्रमिकों के अधिकार, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल पर गरिमा को प्रभावी क्रियान्वयन और सतत सुधार के माध्यम से व्यावहारिक तौर पर मजबूत किया जा सके। श्रमिक संघों की वास्तविक जिम्मेदारी केवल विरोध करना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि मजदूरों को वास्तविक रूप में जमीनी स्तर पर लाभ हो। अब ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि श्रम संहिताओं को न्यायपूर्ण तरीके से लागू किया जाए और इन्हें हर उस मजदूर तक पहुँचाया जाए, जिसे सुरक्षा की आवश्यकता है। हड़ताल की बजाय संवाद, सहयोग और निरंतर सुधार चुनकर, श्रमिक संघ एक ऐसा प्रणाली बनाने में मदद कर सकते हैं, जो श्रमिकों के लिए नौकरी की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और गरिमा प्रदान करती हो और साथ ही 2047 तक विकसित भारत की ओर देश की यात्रा का भी समर्थन करती हो।

(लेखक, भारतीय ट्रेड यूनियनों के राष्ट्रीय मोर्चा (एनएफआईटीयू) के अध्यक्ष हैं)

अमित शाह ने कहा है तो तय समय में ही होगा अंत

सुनील दास

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद कई दशक तक गंभीर समस्या रहा है. माना जाता था कि इसका कोई समाधान नहीं है,,इसका अंत कभी नहीं हो सकता.यह हमेशा बस्तर में रहेगा ही।इसलिए कोई सरकार कभी नहीं कहती थी वह नक्सली समस्या का अतं कर सकती है, कोई नेता कभी नहीं कहता था इस समस्या का समाधान किसी तय समय में हो सकता है।सब इसे नियंत्रित करने का प्रयास करते रहते थे और बस्तर के घन जंगलों में नक्सलवाद बना रहता था। पैसे खर्च होते थे, समय नष्ट होता था लेकिन नक्सली गतिविधियों पर रोक कभी नहीं लगती थी। बस्तर में नक्सलियों का समानांतर शासन चलता रहता था। सब कहते थे बस्तर मे अन्याय है,शोषण है इसलिए नक्सलवाद है।जल,जंगल,जमीन आदिवासियों से छीनी जा रही है इसलिए नक्सलवाद है।जब तक अन्याय,शोषण है,भ्रष्टाचार है बस्तर में नक्सलवाद रहेगा ही।

बस्तर में नक्सलवाद का सफाया करने की सोच किसी नेता में नहीं थी। इसलिए कई दशक तक नक्सलवाद गंभीर समस्या बना रहा।अमित शाह पहले ऐसे नेता के रूप में सामने आए जिन्होंने विश्वास से कहा कि बस्तर से नक्सलियों का सफाया हो सकता है। इसके लिए उन्होंने शुरुआत की और कोई बहुत समय नहीं हुआ है साय सरकार के दो साल के भीतर ही उनके प्रयास से आज राज्य में नक्सलवाद अंतिम सांस गिन रहा है।आज सब को भरोसा है कि अमित शाह ने कहा है तो बस्तर ही नहीं देश से नक्सलवाद का सफाया मार्च 26 तक हर हाल में हो जाएगा। अमित शाह ने अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान फिर से अधिकारियों की समीक्षा बैठक की है और नक्सलियों के सफाए के लिए शेष बचे हुए दिनों में क्या किया जाना है, कैसे किया जाना है, अधिकारियों को समझा दिया है और अधिकारियों ने नक्ललियों के सफाए के लिए जो कुछ किया है उस पर संतोष व्यक्त किया है और उम्मीद जताई है कि तय समय में नक्सलियों का सफाया हो जाएगा तो भरोसा किया जा सकता है कि ऐसा होगा ही।

हर बार की तरह अमित शाह ने बस्तर प्रवास के दौरान फिर से एक बार कहा है कि बस्तर में हम गोली नहीं चलाना चाहते, जितने भी नक्सली बचे हैं वह हथियार डाल दें,हम उनका स्वागत करेंगे। अमित शाह ऐसा हर बार इसलिए कहते हैं कि भविष्य में कोई यह न कहे कि भाजपा सरकार ने बंदूक के दम पर नक्सलवाद का सफाया किया। गोली का जवाब गोली से देकर नक्सलवाद का सफाया गया। इस अभियान मे बस्तर के नक्सली बने लोग ही मारे गए हैं।इस अभियान में आदिवासी ही मारे गए हैं। अमित शाह जब भी आते हैं यह कहते जरूर है कि हम तो चाहते हैं कि नक्सलवाद समस्या का अंत बिना गोली चलाए हो जाए, सारे नक्सली शांति से हथियार सहित सरेंडर कर दें।नक्सली ऐसा नहीं करते हैं तो वह गोली चलाते हैं तो गोली का जवाब तो गोली से ही दिया जाता है और वह गोली से मारे जाते हैं।अमित शाह जैसा चाहते वैसा होता तो बस्तर में मौजूद कोई नक्सली गोली से नहीं मारा जाता । अमित शाह जैसा चाहते थे वैसा नहीं हुआ इसीलिए बड़ी संख्या में नक्सली मारे गए है, बड़ी संख्या में नक्सलियों का मारे जाने के बाद ही बड़ी संख्या में नक्सलियों ने सरेंडर किया है। अब गिनती के ही नक्सली बस्तर में बचे हैं, उनको सरेंडर का मौका दिया जा रहा है। अमित शाह अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान लोगों को यह भी जरूर बताते हैं कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद इसलिए रहा कि यहां कांग्रेस ने इसको संरक्षण दिया। वह ऐसा इसलिए कहते हैं कि कांग्रेस यहां सत्ता की दूसरी दावेदार है। वह सत्ता में आने का प्रयास जरूर करेगी। इसलिए यहां के लोगों को वह याद दिलाना नहीं भूलते है कि भूलकर भी उन लोगों को सत्ता में नहीं लाना जो नक्सलियों को संरक्षण देते थे। वह लोगों को याद दिलाते हैं कि बस्तर नक्सलवाद की संरक्षक कांग्रेस है और बस्तर में विकास का काम भाजपा ने किया है। शाह जानते हैं कि बस्तर से नक्सलवाद का सफाया तो भाजपा सरकार करेगी लेकिन इसका श्रेय लेने के लिए कांग्रेस भी सामने आएगी और कहेगी की बस्तर से नक्सलवाद के सफाए की शुरूआत तो कांग्रेस ने ही की थी। कांग्रेस की नीतियों को आगे बढ़ाकर भाजपा ने बस्तर से नक्सलवाद का सफाया किया है। यही वजह है शाह हमेशा कहते हैं कि कांगेस के कारण ही बस्तर में नक्सलवाद की समस्या रही। क्योंकि वह इसे संरक्षण देती थी।

अमित शाह भाजपा के ऐसे नेता हैं जो किसी काम का बीड़ा उठाते हैं तो वह उस काम को करके भी दिखाते हैं। पीएम मोदी उनको ऐसा काम सौंपते हैं जो कोई और नेता नहीं कर पाता है।यूपी में भाजपा को चुनाव जिताने का काम पीएम मोदी ने शाह को सौंपा था तो यूपी में शाह ने भाजपा को जिताकर दिखाया था। वह भी तब जब भाजपा यूपी में कमजोर ही नहीं बहुत कमजोर थी। उसके सत्ता में आने की कोई उम्मीद नहीं थी। इसी तरह पीएम मोदी शाह को देश से आतंकवाद व नक्सलवाद का समाप्त करने का काम सौंपा तो आतंकवाद का तो देश से सफाया हो गया है और नक्सलवाद का सफाया अगले कुछ दिनों में हो जाएगा। देश में शाह को ऐसे नेता के रूप में हमेशा याद रखा जाएगा जिसने तारीख पहले तय की और नक्सलवाद का सफाया शुरू बाद में किया और समय से पहले करके दिखाया भी।

त्वचा को स्वस्थ बनाने के लिए ध्यान देना बेहद जरूरी

त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी है कि आप स्किन केयर का हर स्टेप सही तरह से फॉलो करें। फिर चाहे फेस को मॉइस्चराइज करना हो या फिर फेस क्लीजिंग और टोनिंग हो। इसका पहला स्टेप होता है फेस को वॉश करना और अगर आप इसी में मिस्टेक करते हैं तो इसके बाद वाले सारे स्किन केयर स्टेप का पूरा फायदा नहीं मिलता है। ये तो ज्यादातर लोग जानते हैं कि दिन में दो या तीन बार फेस वॉश किया जा सकता है या फिर लोग फेस वॉश खरीदने के दौरान उसके इन्ग्रेडिएन्ट्स और स्किन टाइप का ध्यान रखते हैं, लेकिन फेस को धोने के दौरान भी कुछ कॉमन मिस्टेक्स ज्यादातर लोग करते हैं। फेस वॉश करने के बाद स्किन बहुत ड्राई हो जाती है या फिर मॉइस्चराइजर लगाने के बाद भी रूखापन बना रहता है। आपके फेस वॉश का सही रिजल्ट त्वचा पर नहीं दिख रहा है तो इसके पीछे आपकी ही कुछ गलतियां होती हैं जो आप चेहरा धोने के दौरान या फिर इसके बाद करते हैं। चलिए जान लेते हैं इस बारे में डिटेल के साथ।

सूखी स्किन पर फेस वॉश लगाना

बहुत सारे लोग हाथ पर फेस वॉश निकालते हैं और सीधे चेहरे पर अप्लाई कर देते हैं, लेकिन ये गलती आपकी त्वचा को और ज्यादा ड्राई बना सकती है। फेस वॉश लगाने से पहले चेहरे को अच्छी तरह से गीला कर लें। इससे फेस वॉश त्वचा पर सही तरह से फैल जाता है और अच्छी तरह से फेस क्लीन होता है। जबकि सूखी त्वचा पर फेस वॉश लगाने से वो सही से नहीं फैलता और उस जगह पर ज्यादा लगा रहता है जहां आपने सबसे पहले अप्लाई किया हो और त्वचा का उतना हिस्सा थोड़ा ड्राई हो सकता है।

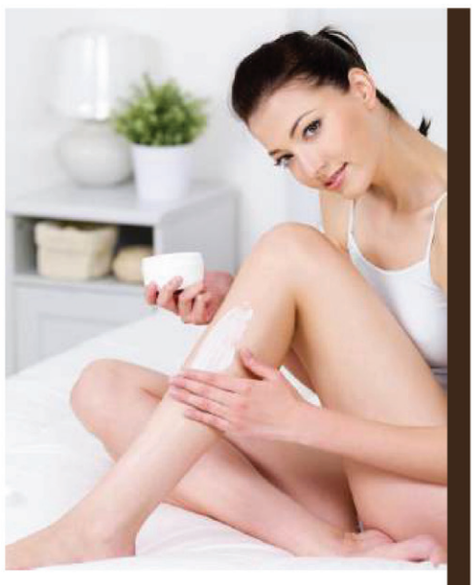

ज्यादा या कम फेस वॉश लेना

बहुत सारे लोगों को ये नहीं पता होता है कि उनको कितना फेस वॉश लेना है। कई बार लोग ढेर सारा फेस वॉश लगा लेते हैं, क्योंकि उनके लगता है कि इससे त्वचा ज्यादा अच्छी तरह साफ होगी तो कई बार लोग स्किन ड्राई होने के डर से कम फेस वॉश लगाते हैं। सबसे सही तरीका है कि आप रुपये के सिक्के के बराबर अपने हाथ पर फेस वॉश लें और इसे चेहरे पर अप्लाई करें।

जल्दी चेहरा धो लेना

अक्सर लोग चेहरे पर फेस वॉश लगने के बाद हाथों से एक दो बार मसाज करते हैं और फिर चेहरा धो देते हैं, लेकिन अगर सैलिसिलिक एसिड वाला या फिर नियासिनामाइड वाला फेस वॉश इस्तेमाल कर रहे हैं,तो इसमें मौजूद इन एक्टिव इनग्रेडिएंट्स को वर्क करने का टाइम नहीं मिलता है, जिससे आपके फेस पर असर दिखाई नहीं देता है।

ज्यादा ठंडा या गर्म पानी यूज करना

फेस वॉश करने के लिए लोग सीधे टैंक के पानी का यूज कर लेते हैं जो सर्दी के दिनों में बेहद ठंडा होता है। ये आपकी त्वचा के साथ ही हेल्थ के लिए भी नुकसानदायक होता है। इसी तरह से बहुत ज्यादा गर्म पानी का यूज करने से त्वचा ड्राई हो जाती है। चेहरे को हमेशा नॉर्मल टेम्परेचर के पानी से ही धोना चाहिए।

घर की इस दिशा में बैठकर करें काम

करियर में होगी तरक्की

वास्तु शास्त्र के मुताबिक घर का हर एक कोना और दिशा बेहद महत्वपूर्ण होता है। मान्यता है कि अगर घर में चीजें वास्तु के मुताबिक ना रखी हों, तो घर में वास्तु दोष उत्पन्न हो सकता है। इससे परिवार के सदस्यों के बीच कलह, विवाद और तनाव जैसी स्थिति उत्पन्न होती है। यहां तक अगर हम गलत दिशा में भी बैठकर घर में काम करें, तो इसका असर आपको करियर पर पड़ता है। क्योंकि आज भी बहुत से लोग वर्क फ्रॉम होम यानी घर से काम कर रहे हैं। आजकल इसका ट्रेंड बढ़ गया है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में काम करने के लिए सही दिशा का चुनाव करने से न केवल आपके करियर की प्रगति होती है, बल्कि आप मानसिक शांति और ध्यान केंद्रित करने में भी सक्षम होते हैं। चलिए जानते हैं कि किस दिशा में बैठकर काम करना चाहिए।

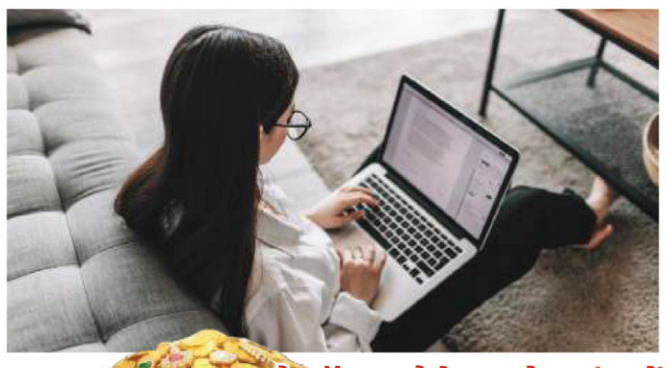

इन बातों का रखें ध्यान

बहुत से लोग अपने बेडरूम में काम करते हैं। वास्तु के मुताबिक ऐसा कर ना अशुभ होता है। इससे सुस्ती आती है। संभव हो तो अलग कमरा या कोना चुनें। ध्यान रखें कि हमेशा उत्तर या पूर्व की ओर चेहरा करके बैठें।

सही दिशा

यह दिशा कुबेर और सफलता की वास्तु की मानें, तो घर में काम करने के लिए उत्तर या उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) दिशा सबसे उत्तम है। य मानी जाती है। इसके अलावा पूर्व और उत्तर दिशा वर्क फ्रॉम होम के लिए सबसे शुभ मानी जाती हैं। वहीं, काम के लिए जो मेज यानी डेस्क इस्तेमाल कर रहे हैं, वो आयताकार या वर्गाकार होनी चाहिए। गोल या टेढ़ी-मेढ़ी मेज से बचें। बैठते समय ध्यान रखें कि आपकी पीठ के पीछे ठोस दीवार हो, खिड़की नहीं। यह स्थिरता प्रदान करता है।

लैपटॉप या गैजेट्स को कहां रखें

ज्यादातर लोग घर से काम करने के लिए लैपटॉप और अन्य गैजेट्स का इस्तेमाल करते हैं। सवाल उठता है कि इसे किस दिशा में रखना चाहिए। वास्तु की मानें, तो मेज के दक्षिण-पूर्व (आग्नेय कोण) हिस्से में रखना सही माना जाता है। इससे फोकस बढ़ता है और काम में मन लगता है।

हरी मिर्च को महीनों तक स्टोर करने का नुस्खा

सर्दियों में हरी मिर्च खूब सारी मिलती है। जब भी सब्जी खरीदने जाएं तो कुछ मिर्ची तो फ्री में ही मिल जाती है। जिसे लापरवाही से रखा जाए तो जल्दी ही सड़ना शुरू कर देती है, लेकिन अगर आप चाहें तो इन फ्री की मिल रही हरी मिर्च को स्टोर कर रख सकते हैं। जिससे ना केवल आपको फ्रेश मिर्ची का टेस्ट मिलेगा बल्कि आपके पैसे भी बचेंगे। तो बस सीख लें हरी मिर्ची को महीनों तक चलाने का आसान नुस्खा।हरी मिर्च का फ्रेश टेस्ट पसंद है तो इसे पेस्ट बनाकर फ्रिज में स्टोर कर लें। ये महीनों तक खराब नहीं होंगे और फ्री में मिलने वाली हरी मिर्ची भी आसानी से यूज हो सकेगी।

बस सारी हरी मिर्ची की डंठल को निकालकर अलग कर लें और मिर्ची को धो लें। अब इन सारी हरी मिर्ची को साफ कपड़े से सुखा लें, जिससे कि इनका पानी सूख जाए।बस मिर्चियों को काटकर छोटा कर लें और मिक्सी के जार में डाल दें। साथ ही नमक और नींबू का रस डालें और पीसकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को किसी साफ-सुथरे और सूखे कांच के जार में भर लें। जब पेस्ट को जार में भर लें तो सबसे ऊपर कुछ बूंदे तेल की जरूर डाल दें। तेल मिर्ची के लिए प्रोटेक्टिव लेयर का काम करेगा और खराब होने से बचाएगा। बस मिर्ची के पेस्ट पर डेट का लेबल चिपकाकर फ्रिज में स्टोर कर लें। महीनों तक ये पेस्ट खराब नहीं होगा और आराम से यूज करें।

हरी मिर्च को फ्रिज में स्टोर करने का तरीका

फ्रिज में हरी मिर्च रखने के बाद भी सड़ जाती है या सूख जाती है तो उसे महीनों तक फ्रेश बनाकर रखने के लिए इस टिप्स को फॉलो करें। हरी मिर्ची को धोकर सुखा लें। फिर किसी साफ-सूखे प्लास्टिक के डिब्बे पर साफ कॉटन के कपड़े को रखें और उसमे इन मिर्चियों को रखकर ढक्कन से बंदकर फ्रिज में डाल दें।

बालों का झड़ना रोकेगा ये देसी हेयर ऑयल

सर्दियों का मौसम जहां एक ओर सुकून लेकर आता है, वहीं दूसरी ओर बालों के लिए काफी चुनौतीपूर्ण भी होता है। ठंडी हवा, कम नमी और स्कैल्प का ड्राई हो जाना बालों की जड़ों को कमजोर बना देता है जिससे हेयर फॉल बढ़ने लगता है और ग्रोथ रुक जाती है। कई लोग इस दौरान महंगे हेयर प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं, लेकिन उनमें मौजूद केमिकल्स लंबे समय में बालों को और नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में आयुर्वेदिक और घरेलू नुस्खे सबसे सुरक्षित और असरदार विकल्प बनते हैं।

हेयर ग्रोथ ऑयल के लिए जरूरी सामग्री

सरसों का तेल, सफेद तिल, कलौंजी (Nigella Seeds), मेथी दाने, कुटी हुई अदरक- ये सभी सामग्री बालों की ग्रोथ बढ़ाने, स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन सुधारने और डैंड्रफ कम करने में मदद करती हैं।

कैसे बनाएं?

एक पैन में सरसों का तेल लें और उसमें सफेद तिल, कलौंजी, मेथी दाने और कुटी हुई अदरक डालें। अब इसे धीमी आंच पर तब तक उबालें, जब तक तेल का रंग हल्का गहरा ना हो जाए। आंच बंद करके तेल को ठंडा होने दें और फिर छानकर किसी कांच की बोतल में भर लें।

कैसे करें इस्तेमाल?

रात में सोने से पहले इस तेल से स्कैल्प में हल्के हाथों से मसाज करें। तेल को पूरी रात लगा रहने दें और अगली सुबह माइल्ड शैम्पू से धो लें। हफ्ते में 2–3 बार इसका इस्तेमाल करने से बेहतर रिजल्ट मिलते हैं।

हेयर ऑयल के फायदे

सरसों का तेल स्कैल्प को गर्म रखता है और ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाता है। मेथी दाने हेयर फॉल कम करते हैं और नए बालों की ग्रोथ को सपोर्ट करते हैं। कलौंजी बालों को मजबूत बनाकर समय से पहले सफेद होने से बचाती है। अदरक स्कैल्प में सूजन और डैंड्रफ कम करने में मदद करता है। सफेद तिल बालों को पोषण देकर उन्हें घना और चमकदार बनाते हैं।

अमरूद खाने के फायदे

सर्दियों में अमरूद खूब मिलते हैं और एक्सपर्ट हमेशा सीजनल फ्रूट खाने की सलाह देते हैं। लेकिन अमरूद को काफी सारे लोग नापसंद करते हैं। जबकि इसमे काफी ढेर सारे न्यूट्रिशन होते हैं। जो वेट लॉस, डायबिटीज, हार्ट हेल्थ से लेकर पाचन को सही करने में मदद करते हैं।

एक अमरूद में एक संतरे के मुकाबले चार गुना ज्यादा विटामिन सी होता है। तो अगर आप अमरूद को डाइट में शामिल करते हैं तो इतने सारे फायदे मिलेंगे। जिसे नेचुरोपैथी एक्सपर्ट ने बताया है। साथ ही बताया कि किस तरह से और कब अमरूद खाना चाहिए जिससे इसके पूरे फायदे मिल सके। अमरूद में मौजूद विटामिन सी आर्टरीज को साफ रखने में मदद करता है। जिसकी ब्लॉकेज से हार्ट अटैक का खतरा होता है। यहीं नहीं अमरूद में मौजूद सॉल्यूएबल फाइबर कोलेस्ट्रॉल को भी कंट्रोल करने में मदद करता है। जबकि पोटैशियम हाई बीपी को रेगुलेट करने में मदद करता है। वहीं एंटीऑक्सीडेंट्स हार्ट सेल्स को होने वाले ऑक्सीडेटिव डैमेज से बचाने में मदद करता है। अमरूद का लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स डायबिटीज रोगियों के लिए इसे बेस्ट फ्रूट बनाता है। वहीं इसमे बायो एक्टिव कंपाउंड इंसुलिन सेंसेटिविटी को बढ़ाते हैं।

सूखी खांसी से पाएं परमानेंट छुटकारा

एक बार फिर मौसम ने करवट ली है और सर्दी लौटकर वापिस आ गई है। बारिश, कोहरा ने ठंड को बढ़ा दिया है और ऐसे में लोगों को सर्दी, जुकाम, खांसी, बुखार जैसी बीमारियां घेर रही हैं। खांसी आना एक बार शुरू हो जाए, तो ये जल्दी किसी का पीछा नहीं छोड़ती। अगर आप भी लंबे समय से सूखी खांसी और जमे हुए बलगम की वजह से परेशान है और कफ सीरप से आराम नहीं मिला, तो आयुर्वेद डॉक्टर सलीम जैदी का असरदार नुस्खा एक बार ट्राई करके देख लें।

क्या है नुस्खा

डॉक्टर सलीम जैदी का कहना है कि आप अगर सूखी खांसी से तंग आ चुके हैं, तो एक बार गुड़ वाले नुस्खे को बनाकर खाएं। खांसी खत्म हो जाएगी और जमा हुआ बलगम भी निकल जाएगा। इसे बनाने के लिए कुछ चीजों की जरूरत होगी, चलिए बताते हैं ये नुस्खा क्या है और कैसे बनेगा।

क्या-क्या चाहिए

-1 चौथाई चम्मच काली मिर्च पाउडर,-1 चौथाई चम्मच काला नमक,-1 चम्मच अजवाइन, 4-5 दाने छोटी इलायची के,-1 चम्मच कसा हुआ अदरक,- गुड़-पानी।

कैसे बनाएं

अब आपको सभी चीजों को बताई गई मात्रा के हिसाब लेकर पीस लेना है और मिक्स करके रखना है। नॉन-स्टिक कढ़ाही लें और उसमें गुड़ और थोड़ा सा पानी डालकर इसे पिघलाना शुरू करें। जैसे ही गुड़ पिघल जाता है, उसमें सभी मिक्स हुई चीजों को मिलाकर चलाएं। बस इसे 1-2 मिनट तक पकाना है और गैस से कढ़ाही उतार लें। हल्का ठंडा होने पर शीशी में भरकर रखें।

कैसे करें सेवन

इस नुस्खे को आधा चम्मच सुबह और रात को सोने से पहले खाएं और साथ में गुनगुना पानी पिएं। इस नुस्खे को आप सूखी या कफ वाली खांसी दोनों में खा सकते हैं। इसे खाने के बाद खट्टी और ठंडी चीजों से परहेज करें। ध्यान रखें कि 10 साल से छोटे बच्चों को ये न खिलाएं, नुकसान कर सकता है। बच्चे को हमेशा 1 चौथाई चम्मच ही ये खिलाना है। इसके अलावा स्मोकिंग भी करने से बचें। पुरानी खांसी है तो इस नुस्खे को 3 से 7 दिनों तक खाकर देखें, आराम मिलेगा।

सिरदर्द और दृष्टि हानि जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करें

सिरदर्द और दृष्टि हानि जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करें, ये ब्रेन ट्यूमर के संकेत हो सकते हैं। उल्हासनगर निवासी 55 वर्षीय अनिल बोराडे, जो आधारवाड़ी जेल में हेड कॉन्स्टेबल के रूप में कार्यरत हैं, तथा 36 वर्षीय अनिल सोनावणे, जो एक बीमा कंपनी में टीम लीडर हैं—दोनों को ठाणे स्थित सोलारिस सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल से 'जीवनदान' मिला। दोनों मरीज पिट्यूटरी ग्रंथि के ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित थे, जिनके प्रमुख लक्षण सिरदर्द और दृष्टि हानि थे। इसके अलावा, स्ट्रोक से पीड़ित एक अन्य मरीज श्री जयदेव मुरपानी भी उपचार के लिए उल्हासनगर से आए थे और अब वे पूरी तरह स्वस्थ हैं। इस संदर्भ में सोलारिस सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के डॉक्टर डॉ. दीपक ऐवले और डॉ. अमित ऐवले का कहना है, ''कृपया सिरदर्द, दृष्टि हानि और महिलाओं में हार्मोनल बदलाव जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करें—ये ब्रेन ट्यूमर के संकेत हो सकते हैं। तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें। ''ट्यूमर हटाने के लिए हॉस्पिटल ने एक नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया, जिसे 'न्यूरो-नेविगेशन तकनीक' कहते हैं, जिसमें नाक के रास्ते ट्यूमर निकाला गया। यह एक मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया है, जिसमें मस्तिष्क को खोला नहीं जाता। इस सर्जरी के लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ, ईएनटी सर्जन, महिला मरीजों के लिए स्त्री रोग विशेषज्ञ, एंडोक्राइनोलॉजिस्ट तथा न्यूरोसर्जन-सभी की संयुक्त (मल्टी-डिसिप्लिनरी) भागीदारी आवश्यक होती है। चूंकि दो भाइयों - न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. दीपक ऐवले और न्यूरोसर्जन डॉ. अमित ऐवलेद्वारा स्थापित सोलारिस अस्पताल में ये सभी सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध होने से सर्जरी सफलतापूर्वक करना आसान हुआ और मरीजों की दृष्टि बहाल करने के साथ कान संबंधी समस्याएं भी ठीक की गईं। पिछले ढाई वर्षों में सोलारिस सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल ने इस नवीन न्यूरो-नेविगेशन तकनीक और मिनिमली इनवेसिव प्रक्रियाओं से ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित 100 से अधिक मरीजों की जान बचाई है। सोलारिस सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल उल्हासनगर में न्यूरोलॉजी और स्पाइन से संबंधित समस्याओं के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित कर रहा है। ब्रेन एवं स्पाइन ट्यूमर, पुराना सिरदर्द, दौरे (फिट्स), चक्कर (वर्टिगो), न्यूरोपैथी, मूवमेंट व बैलेंस डिसऑर्डर, मायस्थीनिया ग्रेविस आदि से पीड़ित लोग इस शिविर का लाभ उठा सकते हैं। सोलारिस सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के प्रमुख न्यूरोसर्जन एवं निदेशक डॉ. अमित ऐवले ने कहा, ''हमने ट्यूमर हटाने के लिए न्यूरो-नेविगेशन तकनीक का उपयोग किया। न्यूरो-नेविगेशन मस्तिष्क के लिए जीपीएस की तरह है, जो रियल-टाइम इमेजिंग के माध्यम से सर्जनों को अत्यंत सटीकता से ट्यूमर या समस्या वाले हिस्सों तक मार्गदर्शन देता है।

अल्लाह-हू-अकबर का नारा लगाया और बच्चों पर चाकू से किया हमला

लंदन, एजेंसी। लंदन के उत्तर-पश्चिम इलाके में एक स्कूल के अंदर हुई खौफनाक वारदात ने पूरे ब्रिटेन को हिला कर रख दिया है। किंग्सबरी हाई स्कूल में मंगलवार दोपहर को एक 13 साल के लड़के ने दो अन्य छात्रों पर चाकू से हमला कर दिया। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी ने हमला करने से पहले अल्लाह-हू-अकबर के नारे लगाए थे। इसके बाद दोनों घायल बच्चे गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाए गए। पुलिस ने संदिग्ध किशोर को कुछ घंटों बाद गिरफ्तार कर लिया, लेकिन जांच अब काउंटर-टेररिज्म यूनिट के हाथ में है। यह हमला दोपहर करीब 12:40 बजे हुआ। शुरुआत में पुलिस को एक 13 साल के लड़के के चाकू लगने की सूचना मिली, लेकिन मौके पर पहुंचकर पता चला कि 12 साल का एक और बच्चा भी घायल है। दोनों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि हमलावर की उम्र करीब 13 साल है। वह घटनास्थल से भाग गया था। लेकिन तलाशी अभियान के बाद उसे कुछ घंटों में ही गिरफ्तार कर लिया गया। संदिग्ध को हत्या के प्रयास के आरोप में हिरासत में रखा गया है और उससे पूछताछ जारी है। पुलिस ने हमले में इस्तेमाल होने वाला हथियार भी बरामद कर लिया है। डिटेक्टिव चीफ सुपरिंटेंडेंट ल्यूक विलियम्स ने मौके पर पत्रकारों से कहा कि कोई और संदिग्ध नहीं तलाशा जा रहा है और पुलिस अब किसी अन्य व्यक्ति की तलाश में नहीं है।

हालांकि पुलिस ने इस घटना को अभी तक आतंकी हमला घोषित नहीं किया है, लेकिन परिस्थितियों को देखते हुए जांच की कमान काउंटर-टेररिज्म पुलिस को सौंपी गई है। वे स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। डिटेक्टिव विलियम्स ने कहा कि मकसद को लेकर पुलिस सभी संभावनाओं

पर खुला विचार रख रही है। स्कूल में छात्रों से लंबे समय तक पूछताछ जारी रही और शाम तक कई बच्चे अभी भी पुलिस के साथ बात कर रहे थे। किंग्सबरी हाई स्कूल के हेडटीचर एलेक्स थॉमस ने अभिभावकों को पत्र लिखकर घटना को गहरा सदमा देने वाली बताया। स्कूल में लगभग 2,000 छात्र हैं, जो 11 से 18 साल के बीच के हैं। उन्होंने कहा कि स्थिति अब नियंत्रण में है, लेकिन बुधवार को स्कूल के कुछ हिस्से बंद रहेंगे। शिक्षा मंत्री ब्रिजेट फिलिपसन ने कहा कि वे इस घटना से दिल टूट गया है और उनका विभाग स्कूल तथा स्थानीय काउंसिल के साथ संपर्क में है ताकि हरसंभव मदद दी जा सके।

भारत समेत 9 देशों में 89 नाबालिगों का किया यौन शोषण

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में 79 साल के एक पूर्व शिक्षक पर पांच दशकों से ज्यादा समय में 89 नाबालिगों का रेप और यौन शोषण करने का आरोप लगा है। प्रॉसिक्यूटर एटिएन मांटो ने इस आरोपी की पहचान सार्वजनिक कर दी है, ताकि और पीड़ित सामने आएं। यह अपराध नौ देशों में फैला हुआ है, जिसमें भारत भी शामिल है। आरोपी 2024 से हिरासत में है और जांचकर्ता अब गवाहों और पीड़ितों की तलाश में जुटे हैं। प्रॉसिक्यूटर ने कहा कि आरोपी का नाम पहले इसलिए नहीं बताया गया, क्योंकि तथ्यों की पुष्टि जरूरी थी। अब नाम जाहिर करने का मकसद है कि संभावित पीड़ित खुद आगे आएं और न्याय की प्रक्रिया में मदद करें। आरोपी का नाम जैक्स लेव्यूगल है, जो 1946 में फ्रांस के एनेसी में पैदा हुआ था। लेव्यूगल पर 1967 से 2022 तक 13 से 17 साल के नाबालिगों के खिलाफ यौन अपराध करने के आरोप हैं। ये अपराध जर्मनी, स्विट्जरलैंड, मोरक्को, नाइजर, अल्जीरिया, फिलीपींस, भारत, कोलंबिया और फ्रेंच क्षेत्र न्यू कैलेडोनिया में हुए थे। वह इन जगहों पर फ्रीलांस टीचर और इंस्ट्रक्टर के रूप में काम करता था। प्रॉसिक्यूटर मांटो ने बताया कि आरोपी इन देशों में घूमता था और जहां भी बसता, वहां ट्यूशन या पढ़ाई के बहाने युवाओं से मिलता और उनके साथ यौन संबंध बनाता था।

LG इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने Q3 FY26 के नतीजों की घोषणा की

नई दिल्ली। भारत के प्रमुख कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, LG इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड (LGE India) ने आज वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा की। कंपनी ने Q3 FY26 में 41.14 अरब का राजस्व (रेवेन्यू) दर्ज किया, जबकि Q3 FY25 में यह 43.96 अरब था। इस तिमाही में कंपनी का EBITD मार्जिन 4.8% रहा। नतीजों पर अपनी बात रखते हुए, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ सेल्स एवं मार्केटिंग ऑफिसर श्री हांग जू जियोन ने कहा, एलजीई इंडिया ने बाहरी कारकों से प्रभावित पिछले सुस्त तिमाही के बावजूद प्रमुख B2C खंडों में #1 स्थान बनाए रखा है। मजबूत आधार, नवाचार पर ध्यान और दीर्घकालिक स्थिरता के बल पर, हमने अपने नए BEE-रेटेड पोर्टफोलियो को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया से पुष्टि हुई नई मजबूती के साथ Q4 में प्रवेश किया है। जैसे-जैसे गर्मी का मौसम नजदीक आ रहा है, हम अपनी दो-ट्रैक रणनीति के माध्यम से कंप्रेसर उत्पादों की मांग को हासिल करने के लिए तैयार हैं — प्रीमियम और 'LG एसेंशियल' दोनों लाइनअप का विस्तार करते हुए। हम अपने उच्च-मार्जिन AMC व्यवसाय को बढ़ाने और B2B इंफ्रास्ट्रक्चर अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अमेरिकी टैरिफ के युक्तिकरण से 'मेक इंडिया ग्लोबल' के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और गति मिलेगी, क्योंकि हम घरेलू जरूरतों की पूर्ति और निर्यात विस्तार दोनों के लिए उत्पादन का अनुकूलन कर रहे हैं। ये विकास ग्राहकों और शेयरधारकों दोनों को मूल्य प्रदान करने की हमारी क्षमता को रेखांकित करते हैं, और हम अपनी दीर्घकालिक दिशा को लेकर आश्वस्त हैं।

हवा में रूमानी रंग घुल गए हैं! कलर्स के कलाकार बताएंगे अपने वेलेंटाइन डे प्लान्स

ऐश्वर्या खरे जो कलर्स के शो 'डॉ. आरंभि' में आरंभि का किरदार निभा रही हैं, कहती हैं वेलेंटाइन डे मेरे लिए सिर्फ रोमांटिक प्यार का दिन नहीं है, बल्कि परिवार और दोस्तों से मिलने वाले प्यार और सपोर्ट को भी सेलिब्रेट करने का दिन है। हमारी व्यस्त दिनचर्या में हम अक्सर इन रिश्तों को सराहना भूल जाते हैं, इसलिए मैं इस दिन को अपने प्रियजनों के साथ बिताना पसंद करती हूँ। इस साल शायद मैं अपने परिवार के साथ आराम से बैठकर अपनी पसंदीदा डिश का मज़ा लूँगी। शो में आरंभि एक डॉक्टर है, बहुत ही देखभाल करने वाली और घर से जुड़ी हुई महिला है। उसका प्यार जताने का तरीका 'ऐक्ट्स ऑफ़ सर्विस' है, लेकिन उसके प्रोफेशनल टैलेंट को खतरे के रूप में देखा जाता है और उसे त्याग को गुण समझने के लिए मजबूर किया जाता है। इस वेलेंटाइन डे मैं उन महिलाओं के लिए दुआ करती हूँ जो खुद से प्यार करना सीखते हुए अपने घाव भर रही हैं। हैप्पी वेलेंटाइन डे! करण कुंद्रा कलर्स के शो 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' से कहते हैं प्यार तो हर दिन होना चाहिए, लेकिन वेलेंटाइन डे पर लोग इसे खास बनाते हैं, यह अच्छी बात है। यह सिर्फ रोमांस का दिन नहीं है, बल्कि उन लोगों को सराहने का दिन है जो मुश्किल वक्त में भी आपको हँसाते हैं और याद दिलाते हैं कि असल मायने क्या हैं। इस साल मेरे लिए खास रहा क्योंकि लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट ने मुझे तेजस्वी के साथ काम करने का मौका दिया, भले ही हम शो में अलग-अलग टीमों में हैं और एक-दूसरे से मुकाबला कर रहे हैं। शो में प्रतिद्वंदी होना और असल जिंदगी में पार्टनर होना एक प्यारा सा विरोधाभास है। इस खास दिन पर सबको प्यार, हँसी और गर्मजोशी की शुभकामनाएँ! तेजस्वी प्रकाश कलर्स के शो लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' से कहती हैंमुझे लगता है कि यह बहुत खूबसूरत है कि हमारे पास एक दिन है जो प्यार को सेलिब्रेट करने के लिए समर्पित है। प्यार सबसे बड़ी ताकत है, जो हमें जोड़ता है, हमें ठीक करता है और हमें आगे बढ़ने की शक्ति देता है। इस साल वेलेंटाइन डे को ×स्न39;लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट पर मनाना एक मजेदार सफ़र रहा।

कनाडा के स्कूल में गोलीबारी, शूटर समेत 9 की मौत

25 घायल, स्कूल में 175 स्टूडेंट पढ़ते हैं; प्रधानमंत्री कार्नी ने जर्मनी दौरा रद्द किया

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के टम्बलर रिज शहर में मंगलवार को एक हाईस्कूल में गोलीबारी हुई। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इस घटना में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। अभी तक ये जानकारी नहीं आई है कि मरने वालों में कोई छात्र है या नहीं। स्कूल को एहतियातन बंद कर दिया गया है।

इलाके के विधायक लैरी न्यूफेल्ड ने बताया कि हालात काबू में करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस और एंबुलेंस की टीमें मौके पर भेजी गई हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि जो लोग अपने परिवार वालों को ढूंढने के लिए बाहर निकल आए हैं, वे घर लौट जाएं।

वहीं कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने इस गोलीबारी के बाद अपना जर्मनी दौरा रद्द कर दिया है। सरकारी वेबसाइट के मुताबिक, हादसे वाले टम्बलर रिज सेकेंडरी स्कूल में 7 से 12 क्लास तक के कुल 175 छात्र पढ़ते हैं। संदिग्ध महिला ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने बताया कि संदिग्ध एक महिला थी, जिसने स्कूल ड्रेस पहन रखी थी और उसके बाल भूरे थे। उसका शव स्कूल के अंदर मिला। पुलिस का मानना है कि उसने खुद को गोली मारी है। पुलिस के अनुसार, दोपहर करीब 1 बजकर 20 मिनट (भारतीय समयानुसार रात करीब 2 बजे) पर स्कूल में गोलीबारी की खबर मिली थी। जब अधिकारी हाई स्कूल पहुंचे तो वहां छह लोग मृत मिले। एक अन्य घायल की अस्पताल ले

जाते समय मौत हो गई। इसके अलावा, पास के एक घर में दो और लोगों के शव मिले। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने सोशल मीडिया पर कहा कि वह इस घटना से बेहद दुखी हैं। उन्होंने पीड़ित परिवारों के लिए संवेदना जताई और राहतकर्मियों की तारीफ की। छात्रों और स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया हमलावर के अलावा छह और लोग स्कूल के अंदर मृत मिले। दो घायलों को गंभीर हालत में हेलीकॉप्टर से अस्पताल भेजा गया।

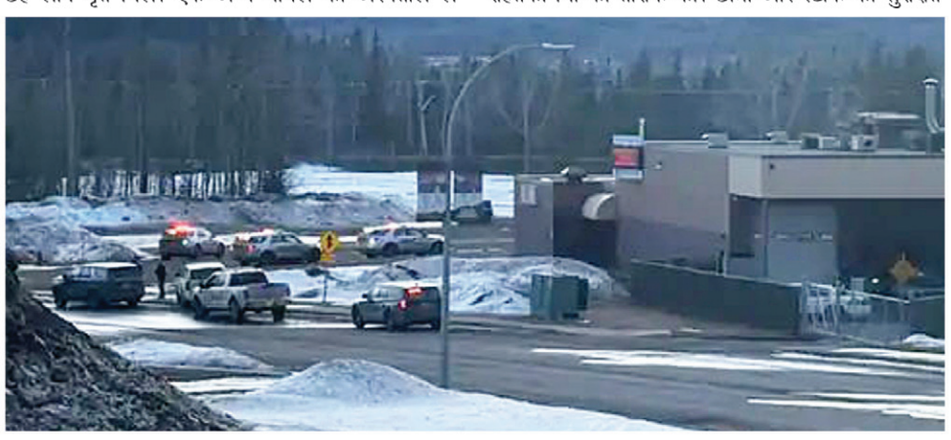

हादसे वाली जगह पर इमरजेंसी अलर्ट खत्म

ब्रिटिश कोलंबिया की पब्लिक सेफ्टी मंत्री और सॉलिसिटर जनरल नीना क्रिगर ने इस गोलीबारी को 'दिल दहला देने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार लोगों की मदद के लिए हर संभव मदद करेगी। क्रिगर ने कहा कि आरसीएमपी ने टम्बलर रिज में जारी इमरजेंसी अलर्ट खत्म कर दिया है। पुलिस का मानना है कि अब कोई अन्य संदिग्ध फरार नहीं है और आम लोगों के लिए कोई खतरा नहीं है। इस बीच, टम्बलर रिज के एलीमेंट्री और सेकेंडरी स्कूलों को इस हफ्ते के लिए बंद करने का फैसला लिया गया है। स्कूल डिस्ट्रिक्ट ने ऑनलाइन जारी बयान में कहा कि इस दुखद घटना के कारण दोनों स्कूल पूरे हफ्ते बंद रहेंगे। पीस रिवर साउथ स्कूल डिस्ट्रिक्ट ने बताया कि टम्बलर रिज सेकेंडरी स्कूल और टम्बलर रिज एलीमेंट्री स्कूल को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ाई गई है। बता दें कि टम्बलर रिज सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 7 से 12 तक लगभग 175 छात्र पढ़ते हैं।पीस रिवर साउथ के विधायक लैरी न्यूफेल्ड ने कहा कि इस घटना के बाद पुलिस और एंबुलेंस जैसी अतिरिक्त टीमें भेजी गई हैं।

अनसील्ड दस्तावेजों में 30 वैश्विक हस्तियों के नाम सामने आए, नेता-अरबपति और कलाकार शामिल

राजनीतिक और प्रभावशाली हस्तियों के नाम

वाशिंगटन, एजेंसी। नई सार्वजनिक हुई जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइलों को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी बहस छिड़ गई है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया गया है कि नई एपस्टीन फाइल्स में दुनिया के कई बड़े राजनीतिक नेताओं, कलाकारों, वैज्ञानिकों और उद्योगपतियों के नाम सामने आए हैं। हालांकि यह स्पष्ट किया गया है कि इन फाइलों में नामों का आना किसी भी व्यक्ति के खिलाफ अपराध सिद्ध होने का प्रमाण नहीं है। 2019 में जेफ्री एपस्टीन की मौत के बाद से लेकर 2024-26 के बीच, अमेरिकी अदालतों द्वारा 1,000 से अधिक पन्नों के दस्तावेज सार्वजनिक किए गए।

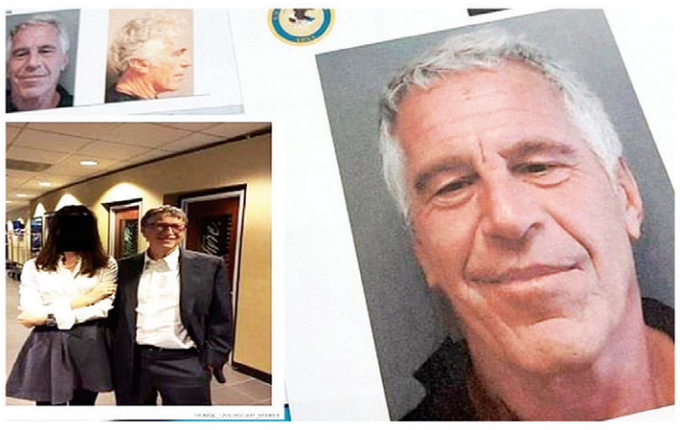

इन फाइलों में फ्लाइट लॉग्स, ईमेल, कॉन्टैक्ट बुक्स, गवाहियों और आंतरिक मेमो शामिल हैं। इन दस्तावेजों में कई प्रभावशाली नाम सामने आए, लेकिन नाम आना अपराध सिद्ध होना, यह अंतर कानूनी तौर पर बेहद अहम है।यह सूची सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यूज़र द्वारा 1 फरवरी को साझा की गई। पोस्ट में कहा गया कि नई एपस्टीन फाइल्स में कुछ प्रमुख नाम सामने आए हैं, जिसके बाद यह पोस्ट तेजी से वायरल हो गई। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी सूचियों को सावधानी से पढ़ने की जरूरत है, क्योंकि कई नाम केवल संपर्क, बैठक, यात्रा या संदर्भ के तौर पर दस्तावेज़ों में दर्ज हो सकते हैं। वायरल सूची में अमेरिका और दुनिया के कई प्रमुख

राजनीतिक नाम शामिल बताए गए हैं। इनमें डोनाल्ड ट्रंप, जो बाइडन, बिल क्लिंटन, हिलेरी क्लिंटन, अल गोर, रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर, प्रिंस एंड्रयू, इज़राइल के पूर्व प्रधानमंत्री एहुद बराक, बिल रिचर्डसन, टॉम प्रिट्ज़कर, डग बैंड, पूर्व निदेशक लुईस फ्री और प्रसिद्ध विचारक नोम चॉम्स्की जैसे नाम शामिल बताए गए हैं। फिल्म, कला और ग्लैमर की दुनिया के नाम सूची में मनोरंजन जगत से जुड़े कई चर्चित नाम भी सामने रखे गए हैं। इनमें माइकल जैक्सन, लियोनार्डो डिकैप्रियो, केविन स्पेसी, जॉर्ज लुकास, मैडोना, केट ब्लैंचेट, कैमरन डियाज़, नाओमी कैंपबेल, हाइडी क्लम, क्रिस टकर, ब्रूस विलिस और बियांका जैगर के नाम शामिल हैं। वैज्ञानिक, शिक्षाविद और कारोबारी पोस्ट में विज्ञान और बिजनेस जगत की हस्तियों के नाम भी गिनाए गए हैं। इनमें स्टीफन हॉकिंग, बिल गेट्स, रिचर्ड ब्रैनसन, मार्विन मिन्स्की, ग्लेन डुबिन, ईवा एंडरसन डुबिन, लेस वेक्सनर, एबिगेल वेक्सनर, फ्रेडरिक विकाई, एलेक्ज़ेंड्रा विकाई, पीटर लिस्टरमैन, रिकार्डो लेगोरेटा और एलन मस्क जैसे नाम शामिल बताए गए हैं। कानूनी विशेषज्ञों और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, एपस्टीन फाइल्स में नामों का आना यह जरूरी नहीं बनाता कि संबंधित व्यक्ति ने कोई अपराध किया हो।

बीएनपी ने की मतदान केंद्रों पर फजर की नमाज पढ़ने की अपील

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में 12 फरवरी 2026 को होने वाले आम चुनाव से ठीक पहले बीएनपी (बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी) के प्रमुख तारिक रहमान ने अपने समर्थकों और कार्यकर्ताओं से एक अनोखी अपील की है। उन्होंने कहा है कि चुनाव के दिन मतदान केंद्रों पर पहुंचकर फजर की नमाज अदा करें और वहां से वोटों की गिनती पूरी होने तक न हटें। बीएनपी प्रमुख के इस अपील के बाद चर्चाओं के बाजार गरम है, और लोग कई तरह के कयास लगा रहे हैं। लोग ये भी जानना चाहते हैं कि अखिर बीएनपी प्रमुख ने इस तरह की अपील क्यों की?

ढाका के जात्राबारी में रैली में तारिक रहमान ने कहा कि मतदान केंद्र पर जाएं और वहां फजर की नमाज अदा करें। वहीं रुकें ताकि कोई साजिश न रच सके। वोट डालना काफी नहीं है। वोट डालने के बाद मत जाइए। सुनिश्चित करें कि वोटों की सही गिनती हो। उन्होंने आगे कहा कि कई लोग कहते हैं कि फजर के बाद लाइन में लगें। मैं कहता हूं कि इस बार जल्दी उठें, तहज्जुद पढ़ें और फिर मतदान केंद्र जाएं। बता दें कि फजर की नमाज सुबह की अनिवार्य प्रार्थना है, जबकि तहज्जुद रात की स्वैच्छिक नमाज है, जो मुश्किल समय में ईश्वर से मदद मांगने से जुड़ी होती है। दरअसल, बांग्लादेश में चुनाव से पहले हिंसा की कई घटनाएं हो चुकी हैं, जैसे मतदान केंद्रों में आगजनी, हथियारों के साथ गिरफ्तारियां, और राजनीतिक हत्याएं हो चुकी है। कहा तो ये भी जा रहा है कि पुलिस की कमी के कारण कानून-व्यवस्था बहुत ही खराब है। आरोप लगाए जा रहे हैं कि अंतरिम सरकार (मोहम्मद यूनुस) के तहत पुलिस बल कमजोर है, जिससे केंद्रों पर कब्जे या गड़बड़ी की आशंका बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि बीएनपी को संस्थाओं पर पूरा भरोसा नहीं है, इसलिए समर्थकों से कहा जा रहा है कि वे सुबह जल्दी पहुंचकर पूरे दिन

मौजूद रहें। बता दें कि पुलिस-प्रशासन ने लगभग 24000 मतदान केंद्रों (कुल 42779 में से आधे) को उच्च या मध्यम जोखिम वाला बताया है। गौरतलब है कि शेख हसीना के विरोध प्रदर्शनों के बाद पुलिस बल कमजोर हुआ है। यूनुस की अंतरिम सरकार हिंसा रोकने और सुधारों में नाकाम रही है। ह्यूमन राइट्स वॉच की रिपोर्ट में कहा गया कि मनमानी गिरफ्तारियां जारी हैं और राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंध हैं। नोआखली और पटुआखली में हिंसा से 39 लोग घायल हुए। नेत्रकोना में पांच संस्थानों में आग लगाई गई। भोला में तलवारें लहराकर मतदाताओं को डराया गया। केरानीगंज में एक बीएनपी नेता की गोली मारकर हत्या हुई। मानवाधिकार समूह ऐन ओ सालिश केंद्र के अनुसार, जनवरी 2026 में राजनीतिक हिंसा की घटनाएं दिसंबर की तुलना में तीन गुना बढ़ी है। 75 घटनाओं में 616 घायल और 11 मौतें हुईं।

एच-1बी वीजा प्रोग्राम खत्म करने के लिए अमेरिकी संसद में बिल पेश

● एच-1बी वीजा प्रोग्राम समाप्त ● एक लाख डॉलर किया गया शुल्क

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संसद में एच-1बी वीजा प्रोग्राम खत्म करने के लिए एक बिल पेश किया गया है। एक रिपब्लिकन सांसद की तरफ से लाए गए बिल में यह कहा गया है कि कंपनियों ने इस प्रोग्राम का बार-बार दुरुपयोग किया है और सस्ते विदेशी कामगारों को अमेरिका लाया गया है।

अगर यह पारित होता है तो भारतीय खासे प्रभावित होंगे, क्योंकि एच-1बी वीजा भारतीय पेशेवरों में काफी लोकप्रिय है। अमेरिकी आइटी कंपनियां इसी वीजा के आधार पर विदेशी कामगारों को अपने यहां नौकरी देती हैं, जिनमें भारतीयों की बड़ी संख्या होती है।

अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में फ्लोरिडा से रिपब्लिकन सांसद ग्रेग स्ट्यूब ने एंडिंग एक्सप्लाइटेटिव इर्मोटेड लेबर इग्जेम्शन एक्ट या एग्जाइल एक्ट नामक बिल पेश किया है, जो आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम में संशोधन करेगा और एच-1बी वीजा प्रोग्राम को समाप्त करेगा।

ग्रेग ने कहा, विदेशी कामगारों को अमेरिकी नागरिकों की भलाई और समृद्धि पर प्राथमिकता देना हमारे मूल्यों और राष्ट्रीय हितों को कमजोर करता है। हमारे कामगार और युवा एच-1बी वीजा कार्यक्रम के कारण विस्थापित और वंचित होते जा रहे हैं।

हम अपने बच्चों के सपनों को सुरक्षित नहीं रख पा रहे, जबकि उनका हिस्सा गैर-नागरिकों को दे रहे हैं। इसलिए मैं अमेरिकियों को पहले रखने के लिए यह बिल पेश कर रहा हूं। उन्होंने बयान में कहा कि एच-1बी वीजा पाने वालों में 80 प्रतिशत से ज्यादा भारतीय और चीन नागरिक हैं। यह एक गैर-आप्रवासी वीजा है। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवाओं के माध्यम से गृह सुरक्षा विभाग के पास कानूनी रूप से प्रति वर्ष 65 हजार एच-1बी वीजा जारी करने का अधिकार है। इसके अलावे उच्च डिग्री वाले आवेदकों को अतिरिक्त 20 हजार वीजा प्रदान किया जाता है। अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत और चीन जैसे देशों से हर वर्ष हजारों कामगारों को नियुक्त करने के लिए एच-1बी पर निर्भर रहती हैं। अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी कार्यक्रम के दुरुपयोग को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए पिछले साल एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किया था। इसमें नए एच-1बी वीजा के लिए शुल्क को बढ़ाकर एक लाख डालर कर दिया गया। इस कदम से भारतीयों में चिंता और भ्रम पैदा हो गया था।

खबर-खास

थाना सांकरा क्षेत्र के ग्राम बिजेपुर के जंगल मे नहर के पास की गई छापामार कार्रवाही

सांकरा (समय दर्शन)। थाना सांकरा क्षेत्र के ग्राम बिजेपुर के बीच जंगल मे नहर के पास में दबे अवैध महुआ शराब बनाने का काम चल रहा हैँ की मुखबीर की सूचना पर दिनांक 11.2.2026 को थाना सांकरा पुलिस एवं एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स की संयुक्त टीम ने रेड की कार्यवाही की गयी। कार्यवाही में घटना स्थल से 150 लीटर कच्चा महुआ शराब को जप्त किया गया। साथ ही घटना स्थल मे मौजूद पांच नग स्टील का गंजा को किया गया जप्त,एवं 70 बोरी मे मदिरा बनाने योग्य महुआ लाहन कुल 2100 किलोग्राम को मौके पर नष्ट किया गया। जिससे अनुमानत: 2100 लीटर कच्चा महुआ शराब बन सकता था। अवैध महुआ शराब बनाने मे शामिल पांच आरोपियो के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत् अपराध पंजीबद्ध कार्यवाही कर की जा रही है।

अपने ही गलत आचरण का लाभ लेकर तलाक की मांग स्वीकार्य नहीं - कुटुंब न्यायाधीश

बालोद (समय दर्शन)। कुटुंब न्यायालय, बालोद ने एक महत्वपूर्ण वैवाहिक विवाद में स्पष्ट किया कि कोई भी पक्ष अपने ही गलत आचरण का लाभ उठाकर विवाह-विच्छेद की मांग नहीं कर सकता। मामले में पत्नी 8 वर्ष से अलग निवासरत है, इस कारण से तलाक की मांग पति के द्वारा किया गया था, पत्नी ने अधिवक्ता के माध्यम से जवाब पेश कर बताया कि, पति का एक पुलिसकर्मी से विवाहेतर संबंध और उससे 10 वर्षीय पुत्री है, इसी कारण उसे को मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी और वह 8 वर्षों से अलग रहने को मजबूर हुई। पति ने अलगाव का आधार लेकर तलाक की याचिका दायर की, जिसे न्यायालय ने खारिज कर दिया।

पत्नी की ओर से अधिवक्ता भेष कुमार साहू ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों का हवाला देते हुए प्रभावशाली तर्क प्रस्तुत किए। न्यायालय ने कहा कि यदि विवाद का कारण स्वयं पति का विवाहेतर आचरण है, तो वह उसी आधार पर तलाक नहीं मांग सकता। केवल लंबे समय से अलग रहना तलाक का स्वत: आधार नहीं है; वैधानिक क्रूरता सिद्ध होना आवश्यक है।

विवाहेतर संबंध से उत्पन्न मानसिक क्रूरता सिद्ध होने पर ही राहत दी जा सकती है।

कलेक्टर सिंह ने जल जीवन मिशन अंतर्गत समूह जल परियोजना के कार्यों का निरीक्षण

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने आज लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को साथ लेकर जिले के पाटन एवं दुर्ग विकासखण्ड अंतर्गत जल जीवन मिशन के तहत निर्माणाधीन समूह जल परियोजनाओं के अद्यतन प्रगति का निरीक्षण/अवलोकन किया। उन्होंने पीएचई विभाग के अधिकारियों और कांट्रेक्?टरों से चर्चा कर परियोजना अंतर्गत कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। साथ ही समयावधि में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्?होंने कहा कि मिशन के उद्देश्य हर घर जल को ध्यान में रखते हुए कार्य में प्रगति लाये ताकि मिशन के लक्ष्य के मुताबिक प्रत्येक ग्रामीण परिवार को व्यक्तिगत घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से पर्याप्त मात्रा में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ओदरागहन-सूरपा समूह जल परियोजना, कौही-रानीतराई समूह जल परियोजना, चंदखुरी समूह जल परियोजना और निकुम समूह जल परियोजना अंतर्गत निर्माणाधीन वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट, एमबीआर और खारून एवं शिवनाथ नदी किनारे बनाये जा रहे इंटकवेल का अवलोकन किया।

80 दिव्यांग विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह, प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

समावेशी शिक्षा के तहत जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता सपन्न

बेमेतरा (समय दर्शन)। राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, रायपुर के निर्देशानुसार समावेशी शिक्षा के अंतर्गत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों में निहित प्रतिभा को निखारने, उन्हें सम्मान प्रदान करने तथा उनकी क्षमताओं को उचित मंच उपलब्ध कराने के उद्देश से 11 फरवरी 2026 को शासकीय नवीन प्राथमिक शाला, वार्ड क्रमांक 21 बेमेतरा में जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के कुल 80 दिव्यांग विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों के लिए उनकी विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। अस्थि बाधित बच्चों के लिए 100 मीटर दौड़ एवं कुर्सी दौड़, श्रवण बाधित बच्चों के लिए गोला फेंक एवं 100 मीटर दौड़, दृष्टि बाधित बच्चों के लिए निर्धारित ध्वनि लक्ष्य की ओर 25 मीटर दौड़ तथा मिश्रित मोतियों को अलग करने की प्रतियोगिता आयोजित की गई। वहीं मानसिक दिव्यांग बच्चों के लिए 50 मीटर दौड़ एवं सॉफ्ट बॉल थ्रो जैसे खेल कराए गए। प्रतियोगिता के पश्चात प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रोत्साहन पुरस्कार देकर उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में जिले की समावेशी शिक्षा प्रभारी श्रीमती रेणुका चौबे, विकासखंड स्तर के क्रक्रक्र (ढ्ढश्वष्ठ) एवं व्यायाम शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दक्षिण पाटन में रेत माफियाओं पर बड़ी कार्रवाई: चार हाइवा, एक जेसीबी और हाइवा जब्त

लंबे समय से चल रहा था अवैध रेत परिवहन — खनिज विभाग को भनक तक नहीं

पाटन (समय दर्शन)। दक्षिण पाटन क्षेत्र में लंबे समय से फल-फूल रहे अवैध रेत कारोबार पर आखिरकार राजस्व विभाग ने कड़ा प्रहार किया है। एसडीएम पाटन के निर्देश पर तहसीलदार पवन सिंह ठाकुर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रहे चार हाइवा को पकड़ लिया। इसके साथ ही मिट्टी खोदकर रेत निकालते हुए एक जेसीबी और एक अन्य हाइवा पर भी कार्रवाई की गई।

जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में लंबे समय से हाइवा के माध्यम से रेत का अवैध परिवहन किया जा रहा था। ग्रामीणों की शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं हो रही थी, जिससे रेत माफियाओं के हौसले बुलंद थे। लेकिन राजस्व विभाग की इस सख्त कार्रवाई ने अवैध कारोबारियों में हड़कंप मचा दिया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि इतनी बड़ी गतिविधि के बावजूद खनिज विभाग को इसकी भनक तक नहीं लगी। सवाल उठ रहे हैं कि आखिर लंबे समय से चल रहे इस अवैध खेल पर संबंधित विभाग की नजर क्यों नहीं पड़ी? कार्रवाई के दौरान पकड़ी गई सभी गाड़ियों को रानी तराई थाना के सुपुर्द कर दिया गया है, जहां उन्हें खड़ा कराया गया है। प्रशासन की इस सख्ती से क्षेत्र में स्पष्ट संदेश गया है कि अवैध खनन और परिवहन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इसी तरह नियमित कार्रवाई होती रही तो अवैध रेत कारोबार पर पूरी तरह लगाम लगाई जा सकती है।

महाशिवरात्रि पर बसना में निकलेगी भोले बाबा की भव्य बारात

आदियोगी मंदिर समिति द्वारा ऐतिहासिक शिव-पार्वती विवाह का आयोजन

बसना(समय दर्शन)। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर नगर बसना में आदियोगी मंदिर समिति द्वारा इस वर्ष भी भव्य धार्मिक आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं। 15 फरवरी को भोले बाबा की भव्य बारात एवं शिव-पार्वती विवाह समारोह का आयोजन किया जाएगा। आदियोगी मंदिर द्वारा आयोजित यह शिव विवाह कार्यक्रम का चतुर्थ वर्ष है, जो अपनी भव्यता, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक महत्व के कारण बसना क्षेत्र का ऐतिहासिक आयोजन बन चुका है। हर वर्ष की तरह इस बार भी आयोजन को विशेष रूप से आकर्षक और यादगार बनाने के लिए विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल किए गए हैं। समिति से मिली जानकारी के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत 14 फरवरी को पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार भोले बाबा के तेल-हल्दी अनुष्ठान से होगी। यह कार्यक्रम वार्ड क्रमांक 10 गौरा चौरा से चुलमाटी लेकर आदियोगी मंदिर तक शोभायात्रा के रूप में निकाला जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। इस दौरान भजन-कीर्तन और धार्मिक उत्साह का माहौल रहेगा।

मुख्य आयोजन 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें भोले बाबा की भव्य बारात शाम 6 बजे सिद्धेश्वर शिव मंदिर के पास से निकलेगी। बारात में भव्य आतिशबाजी, बैंड-बाजा, पारंपरिक धूमाल दल (भिलाई) तथा ओडिशा के विशेष वाद्य यंत्रों की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रहेगी। साथ ही आकर्षक झांकियां, दुलदुली बाजा और विभिन्न धार्मिक झलकियां श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव कराएंगी।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण शिव-पार्वती विवाह होगा, जिसे इस बार म्यूजिकल फेरों और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न कराया जाएगा। शिव-पार्वती के रूप में विधायक डॉ. संपत अग्रवाल के सुपुत्र सुमित अग्रवाल एवं सोनिया अग्रवाल की विशेष भूमिका रहेगी, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगी।

आदियोगी मंदिर समिति द्वारा दोनों दिनों में श्रद्धालुओं के लिए विशाल महाभंडारा का आयोजन भी रखा गया है, जिसमें क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। समिति के सदस्यों ने बताया कि आयोजन की तैयारी कई दिनों से चल रही है और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए स्वयंसेवकों की टीम लगातार जुटी हुई है।

समिति ने क्षेत्रवासियों एवं आसपास के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धार्मिक आयोजन का लाभ लेने एवं कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने की अपील की है। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक एकता और सामाजिक सहभागिता का भी जीवंत उदाहरण बनता जा रहा।

संत कबीर दास का संदेश प्रासंगिक...ज्योति साहेब

भनसुली(के)में त्रिदिवसीय कबीर सत्संग समारोह आयोजित

द्वितीय दिवस में रसपान करने जिपं.सदस्य देवेंद्र चंद्रवंशी,पूर्व जिप उपाध्यक्ष अशोक साहू,जनपद सदस्य दिनेश साहू पहुंचे

रानीतराई (समय दर्शन)। संत मिलन को जाइये तजि माया अभिमान ।ज्यों ज्यों पग आगे घरे कोटिन यज्ञ समान। सदा न कोयल, बोलती, सदा ना खिलते फुल। यह अवसर मिलते जभी, समय होय अनुकल।

शरीर अधूरा है आंख के बिना, जीवन अधूरा है ज्ञान के बिना ।।संत अभिलाष साहेब एवं कबीर सत्संग समिति एवं ग्रामवासी के तत्वाधान में कबीर सत्संग समारोह आयोजित किया गया है ।जिसमें मुख्य वक्ता परम श्रद्धेय साध्वी ज्योति साहेब-सदगुरु कबीर आश्रम सुढालिया जिला-राजगढ (म.प्र),विशेष वक्ता के रूप में साध्वी श्रद्धा साहेब कबीर आश्रम भंसूली एवं भजन मंडली व्यास पीठ में आसीन है। साध्वी ज्योति साहेब ने व्यवहार,परमार्थ का ज्ञान आवश्यक बतलाए। उन्होंने सदगुरू कबीर दास का संदेश में किसी एक सत्य को पकड़ लो तो जीवन धन्य बना सकते है ।मानव जीवन सौभाग्य से मिलता है ।चिता मरे हुए को जलाती है,चिंता जिंदा की जलाती है ।सत्संग जीवन जीने की कला सिखाती है ।बेटियां दो कुल का नाम रोशन करती है। ज्येष्ठ,क्रोध,अहंकार,मद, विवेकवृत,चेतन, को गलाकर नम्र,विमल रहे। सबको पद मिलता है,किसी को कम समय,किसी को ज्यादा समय ।भूत सबको बनना है मान सम्मान स्वाभिमान जिंदा रखे। साध्वी श्रद्धा साहेब ने कहा कि भजन भाव में मन लगाकर करे ।सपने जरूर देखे अच्छे सपने जरूर पूरे होंगे ।नशापान से दूर रहकर सत्संग करने का मौका हमे मिला है जिसका सदुपयोग करना चाहिए। जिप दुर्ग के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक साहू ने कबीर सत्संग में पधारे संत,साध्वी,अतिथियों एवं कबीर प्रेमी सज्जनों,देवियों का स्वागत अभिनन्दन करते हुए सत्संग का लाभ सभी जनमानस को मिले।

33 हितग्राहियों को मिला लाटरी से आवास

भिलाईनगर (समय दर्शन)। शासन के महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मकानहीन परिवार को पक्का मकान उपलब्ध कराया जा रहा है। नगर पालिक निगम भिलाई सभागार कक्ष में प्रधानमंत्री आवास आबंटन की लाटरी का आायोजन किया गया। लाटरी कार्यक्रम में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, सभापति गिरवर बंटी साहू, आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, भाजपा जिला अध्यक्ष पुरूषोत्तम देवांगन, महापौर परिषद के सदस्य संदीप निरंकारी, पार्षद महेश वर्मा, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह, पार्षद हरिओम तिवारी एवं अधीक्षण अभियंता सह आवास नोडल अधिकारी अजीत तिग्गा की उपस्थिति में 33 हितग्राहियों को आवास आबंटित किया गया है। भिलाई शहर में निवास कर रहे नागरिक जिनके पास स्वयं का पक्का मकान नहीं है, उन्हे सरकार द्वारा पक्का मकान उपलब्ध कराने की योजना चलाया जा रहा है। इस योजना के तहत नागरिकों को न्यूनतम दर पर पक्का मकान दिया जा रहा है। नागरिक नियमानुसार नगर निगम भिलाई के आवास शाखा में आवेदन किये है। आवेदक द्वारा जमा किये गये आवेदनों का सक्षम स्वीकृति लेने पश्चात आवास आबंटन की लाटरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज निगम सभागार कक्ष में कुल 33 पात्र हितग्राहियों का लाटरी निकालकर आवास आबंटित किया गया है। लाटरी के दौरान आवास प्रभारी विदयाधर देवांगन, सीएलटीसी किरण चतुर्वेदी, नम्रता ठाकुर, जी मोहन राव, नूतन साहू सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

देशव्यापी हड़ताल को कांग्रेस का समर्थन, चारों लेबर कोड श्रमिक हितों पर हमला – राकेश ठाकुर

दुर्ग (समय दर्शन)। संयुक्त ट्रेड यूनियन भिलाई—इंटक, एटक, एचएमएस, एक्टू, सीटू, लोईम एवं स्टील वर्कर्स यूनियन के आह्वान पर चारों लेबर कोड को रद्द किए जाने की मांग को लेकर आज देशव्यापी भारत बंद एवं हड़ताल का आयोजन किया गया। भिलाई के मुर्गा चौक में आयोजित धरना-प्रदर्शन में जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) ने भाग लेकर श्रमिकों के आंदोलन को समर्थन दिया।

जिलाध्यक्ष श्री राकेश ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लाए गए चारों श्रम संहिताएं— वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य परिस्थितियां संहिता श्रमिक हितों पर हमला है। देश के करोड़ों श्रमिकों के अधिकारों को सीमित करने वाली हैं, जिनका संयुक्त ट्रेड यूनियन द्वारा विरोध पूर्णत: न्यायसंगत है।

वेतन संहिता- उक्त संहिता के संदर्भ में ट्रेड यूनियनों का आरोप है कि इस संहिता के माध्यम से न्यूनतम वेतन निर्धारण की प्रक्रिया को केंद्रीकृत कर दिया गया है, जिससे राज्यों के अधिकार कमजोर होते हैं। साथ ही फ्लोर वेज की व्यवस्था से कई राज्यों में वास्तविक न्यूनतम वेतन कम होने की आशंका है।

औद्योगिक संबंध संहिता- यह संहिता सबसे अधिक विवादित है। इसके तहत 300 तक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों को बिना सरकारी अनुमति छंटनी और तालाबंदी की छूट दी गई है (पहले यह सीमा 100 थी)। ट्रेड यूनियनों का कहना है कि इससे नौकरी की सुरक्षा समाप्त हो जाएगी और ठेका प्रथा को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही हड़ताल करने के लिए कड़े प्रावधान लागू किए गए हैं, जिससे श्रमिकों के संवैधानिक अधिकार प्रभावित होते हैं।

सामाजिक सुरक्षा संहिता- सरकार का दावा है कि इससे असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को लाभ मिलेगा, लेकिन यूनियनों का कहना है कि इसमें ठोस और अनिवार्य प्रावधानों का अभाव है। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को लागू करने की स्पष्ट जवाबदेही तय नहीं की गई है, जिससे श्रमिकों को वास्तविक लाभ मिलने पर प्रश्नचिह्न है।

व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य परिस्थितियां संहिता - इस संहिता में कई छोटे और मध्यम उद्योगों को सुरक्षा मानकों से छूट दिए जाने का प्रावधान है। ट्रेड यूनियनों का आरोप है कि इससे कार्यस्थलों पर सुरक्षा मानकों में गिरावट आएगी और श्रमिकों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। चारो लेबर कोड के संबंध में कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि ये चारों लेबर कोड मिलकर श्रमिकों की दशकों की संघर्ष से प्राप्त उपलब्धियों को कमजोर करते हैं।

ग्राम पंचायत मादन में घटिया सड़क का निर्माण, आने जाने में लोगों को हो रही है भारी समस्या

कभी भी दुर्घटना के दौरान लोगों को लग सकता है गंभीर चोट

कोरबा/पाली (समय दर्शन)। ग्राम पंचायतों में घटिया सड़क निर्माण एक गंभीर मुद्दा है, जिससे विकास कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठता हैं । सड़क निर्माण में घटिया रेत-गिट्टी और कम सीमेंट के उपयोग के कारण सड़कें जल्द जर्जर हो जाती हैं, जिससे आवागमन में बाधा आती है। यह सड़क निर्माण की समस्या अक्सर सचिव , सरपंच और उपयंत्री की मिलीभगत से ही उत्पन्न होता है।

इसी कड़ी में एक नजर हम कोरबा जिले प्रखण्ड पाली के अधीन ग्राम पंचायत मादन में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है लगभग 20 लाख की लागत से बनी सीसी सड़क । ग्राम पंचायत मादन के जनप्रतिनिधि से तत्कालीन निर्माण सड़क के भयानक जर्जर और धूल के उड़ते गुबार और सड़क गुणवत्ता

के संबंध में जानकारी चाहने पर गोल मॉल जानकारी देकर सरपंच प्रतिनिधि द्वारा टाल मटोल करते हुए कहा गया कि इस सड़क के किनारे लोकल किसान लोग अपनी अपनी जमीन को राखड़ डंप करवाकर समतल कर रहे है जिस कारण से प्रतिदिन 15 से 20 के संख्या में ट्रेलर वाहनों का आना जाना लगा रहता है जिस कारण से सड़क खराब हो रही है । *मतलब पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि के कहे अनुसार यहां कोई बड़ी प्लांट का फाउंडेशन हो रहा होगा तभी पंद्रह से बीस ट्रेलर प्रतिदिन राखड़ और अन्य सामग्री लाने ले जाने के कारण यह सड़क खराब हो रही है*। झूठ भी बोलने का एक तरीका होता है भला। 20 लाख लगभग की सीसी सड़क क्या इतनी गुणवत्ता हीन हो चुकी हैं की अभी सड़क बने हुए दो महीने भी नहीं बीते है और सड़क बुरी तरह से जर्जर हो कर गिट्टी और बालू उखड़ रहे है।

सड़क कही अधूरी है तो कही गड्ढे -गड्ढे को ठीक तरह से भरा नहीं गया है, कुल मिलाकर वन विभाग के लकड़ी काष्ठगार से लेकर मादन ग्राम पहुंच तक बीच बीच में कई गड्ढे है जिसे जानबूझकर ठीक से सुधारा नहीं गया है ।इस सड़क में अनगिनत गिट्टी निकले और बालू उड़ रहे है जिसे अनदेखा नहीं किया जा सकता।

अभी हाल में ही कोरबा जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर आम जनता, ग्रामीणों और बच्चों को विभिन्न प्रकार के इवेंट या कार्यक्रम आयोजित कर जागरूक किया जा रहा है। लेकिन जब सड़क ही सुरक्षित निर्माण नहीं हो तो आम जनता क्या करें । ऐसे जर्जर सड़क में दुर्घटना होना तय है और दुर्घटना में चोट भी गंभीर लगेगी । ग्राम पंचायत मादन के प्रतिनिधि ,और उप सरपंच के द्वारा मिलकर निर्माण एजेंसी स्वयं ग्राम पंचायत ही है

, लेकिन अफ्सोस ग्राम मादन के सरपंच और सचिव को आम जनता के सुरक्षा और हित को लेकर कोई चिंता नहीं , केवल अपना पॉकेट गरम करने में लगे हुए है।

आने वाले कुछ महीने बाद भारी बारिश को ग्राम मादन में निर्मित नवीन सीसी सड़क बिल्कुल भी नहीं झेल पाएगी । लिहाजा सड़क को भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ना ही समझा जा सकता है।

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के पाली जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत मादन में विकास कार्यों के नाम पर सरकारी धन के दुरुपयोग का यह एक बड़ा मामला है।

कुछ स्थानीय ग्रामीणों का कहना है भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी के चलते सड़क की गुणवत्ता इतनी खराब है कि इसके बनने से पहले ही टूटने का डर सताने लगा है। कागजों पर मजबूत लेकिन जमीन पर खोखली है यह सड़क ।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी सीसी रोड मादन बस्ती से फारेस्ट काष्ठागार तक बनाई गई है इसे सीमेंट कंक्रीट (ष्टष्ट) रोड में तकनीकी नियमों को पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया है।

इससे पहले शुरूआत में ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर निर्माण का पुरजोर विरोध भी किया था और कई गंभीर कमियां गिनाई थी इस विषय को लेकर स्थानीय संवाददाता और समाचार पोर्टल वालों ने खबर भी प्रसारित किया था।

निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग, सीमेंट, रेत और गिट्टी का अनुपात तय मानकों के विपरीत है। नियमों की खुला अनदेखी किया गया है ।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सरपंच,उप सरपंच ,सचिव और अघोषित ठेकेदार की मिलीभगत से यहाँ मशीन से काम कराया गया है। इससे गरीब मजदूरों के हक की कमाई छीनी गई है।

मादन के निवासियों का यह कहना है कि करीब एक दशक पहले भी इसी जगह लाखों की लागत से सीसी रोड बनाई गई थी, जो घटिया निर्माण के कारण महज एक साल में ही जर्जर होकर गायब हो गई। वर्तमान निर्माण की स्थिति को देखकर ग्रामीणों को डर है कि इस बार भी 20 लाख रुपये भ्रष्टाचार की गर्त में चले जाएंगे।

घटिया सड़क निर्माण से जुड़ी प्रमुख बातें

निम्न गुणवत्ता: सीसी सड़क निर्माण में मानक मटेरियल (रेत, गिट्टी) के स्थान पर घटिया सामग्री और सरिया का उपयोग से सड़के गुणवत्ता हीन हो जाते है।

सरपंच-सचिव और उपयंत्री की मिलीभगत: स्थानीय निवासियों के विरोध के बावजूद सरपंच और सचिव मिलीभगत से निर्माण करते हैं। साथ ही

तकनीकी जांच का अभाव जिसके कारण उपयंत्री द्वारा समय पर जांच न करने से कार्य की गुणवत्ता खराब हो जाती है।

सुरक्षा और आवागमन : ऐसी सड़कें जल्द ही जर्जर होकर बड़े गड्ढों में तब्दील हो जाती हैं, जिससे एक्सीडेंट की संभावना बढ़ जाती है।

नर्सिंग होम एक्ट के उल्लंघन पर गर्ग सुपर स्पेशलिटी अस्पताल सील

नायब तहसीलदार हरीश यादव की संयुक्त टीम द्वारा गर्ग अस्पताल का औचक निरीक्षण किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान अस्पताल में ड्यूटी डॉक्टर अनुपस्थित पाए गए तथा चिकित्सक की अनुपस्थिति में अस्पताल का संचालन किया जा रहा था, जो नर्सिंग होम एक्ट के प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन है। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व 16 जनवरी को भी अस्पताल का निरीक्षण किया गया था। उस समय भी चिकित्सक अनुपस्थित पाए गए थे, जिस पर संबंधित संस्था को नोटिस जारी किया गया था। बावजूद इसके सुधार नहीं होने पर प्रशासन ने कड़ी कार्यवाही करते हुए अस्पताल को सील कर दिया। सीएमएचओ ने कहा कि जिले में संचालित सभी निजी अस्पतालों एवं नर्सिंग होम को निर्धारित नियमों का पालन अनिवार्य रूप से करना होगा। मरीजों की सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण उपचार से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

चिकित्सक अनुपस्थित पाए जाने पर प्रशासन की सख्त कार्यवाही

मुंगेली(समय दर्शन)। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं वैधानिक प्रावधानों के पालन को सुनिश्चित करने हेतु जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए गर्ग सुपर स्पेशलिटी अस्पताल को सील कर दिया है। यह कार्यवाही नर्सिंग होम एक्ट के नियमों के उल्लंघन एवं चिकित्सक की अनुपस्थिति पाए जाने के बाद की गई। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य उपचर्यागृह रोगोपचार संबंधी स्थापनाएं अनुज्ञापन नियम 2013 के अंतर्गत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा, नोडल अधिकारी नर्सिंग होम एक्ट डॉ. कमलेश कुमार तथा

युवा पीढ़ी से प्रकाश सिन्हा का आह्वान – संघर्ष और संस्कार से बनेगी पहचान

अंकोरी में विदाई समारोह एवं वार्षिक उत्सव में शामिल हुए जनपद सभापति प्रकाश

बसना (समय दर्शन)। शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अंकोरी में विदाई समारोह एवं वार्षिक उत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन उत्साह एवं गरिमा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जनपद पंचायत बसना के सभापति एवं क्षेत्र क्रमांक 21 अंकोरी के जनपद सदस्य प्रकाश सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य यज्ञ राम सिदार ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष विनोद विशाल एवं भाजपा मंडल कोषाध्यक्ष हीरा लाल साव विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं सरस्वती माता के तैल चित्र पर पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिसने उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

प्रकाश सिन्हा ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को अनुशासन, संस्कार, नशामुक्त जीवन एवं लक्ष्य के प्रति समर्पण का संदेश देते हुए कहा कि सफलता केवल अंकों से नहीं, बल्कि चरित्र और परिश्रम से तय होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने माता-पिता, गुरुजनों और क्षेत्र का नाम रोशन करने का आह्वान किया।

वार्षिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को शील्ड, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय परिवार द्वारा मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में संकुल समन्वयक आरिफ बेग, शिक्षक संतलाल डडसेना, लालता प्रसाद डडसेना, हीराधर राणा, मधुमंगल बारीक, उमाशंकर भोई, जगतारण जांगड़े, विजय कुमार कोशिक, जयंत कुमार वर्मा, श्रीमती नीलिमा साहू, चंद्रहास बांक, रविन्द्र मांझी, मगन नायक, अम्बिका सिंह, आकाश डडसेना, आशीष त्रिपाठी, दयालु नंद एवं जनपद सदस्य प्रतिनिधि परमीत सिंह सहित समस्त विद्यालय परिवार, अभिभावकगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य यज्ञ राम सिदार ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विद्यालय के विकास हेतु निरंतर सहयोग की अपेक्षा की।

प्राचार्य ने अंकोरी स्कूल की समस्याओं से कराया अवगत

कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य यज्ञ राम सिदार ने विद्यालय की विभिन्न आवश्यकताओं एवं समस्याओं से श्री सिन्हा को अवगत कराया। उन्होंने विद्यालय के नवीन भवन में शौचालय निर्माण, सेट निर्माण तथा साइकिल स्टैंड के निर्माण की मांग प्रमुख रूप से रखी।

संक्षिप्त-खबर

भाजपा सरकार किसान हितैषी, वादे को कर रही पूरा: हरिनाथ खूंटे

सारंगढ़-बिलाईगढ़(समय दर्शन)। प्रदेश भाजपा अनुसूचित जाति (अजा) मोर्चा के महामंत्री हरिनाथ खूंटे ने छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार द्वारा किसानों के हित में लिए गए बड़े निर्णय का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार प्रदेश के अन्नदाताओं के सम्मान और उनकी खुशहाली के लिए पूरी तरह समर्पित है। होली से पहले किसानों की झोली में आएगी खुशियां हरिनाथ खूंटे ने प्रेस को जारी बयान में बताया कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई हालिया कैबिनेट बैठक में किसानों के हित में ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। इस घोषणा के तहत, धान की अंतर राशि (बोनस) का भुगतान होली के त्यौहार से पहले एकमुश्त कर दिया जाएगा। खूंटे ने कहा, हमारी सरकार जो कहती है, वह करके दिखाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किसानों को ?3100 प्रति क्विंटल धान का मूल्य देने का वादा निभाया है। अब होली से पहले एकमुश्त राशि मिलने से किसान परिवार हर्षोल्लास के साथ त्यौहार मना सकेंगे।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन का चुनाव, परिणाम आज

बिलासपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बार काउंसिल के चुनाव के लिए आज मतदान चल रहा है। 1400 मतदाता सूची वाले बार काउंसिल के चुनाव में कुल प्रत्याशियों की संख्या 61 बताई जा रही है। मतदान पश्चात 13 फरवरी को मतगणना होगी। उम्मीद की जा रही है कि 900 से 1000 तक मतदान होगा अध्यक्ष, सचिन पदों के लिए प्रतिष्ठा का विषय है। जानकार कहते हैं कि बर काउंसिल चुनाव में राजनीति पूरी तरह से प्रभावित है पर यह राजनीति स्टेट बार चुनाव से कम है। यह भी हवा है कि वकालत का अनुभव किसी राजनीतिक दल से सब्बध न होने वाली सोच को अवसर देकर देखा जाए।

फरवरी कमाल ज्योतिष क्यों चुप

बिलासपुर (समय दर्शन)। प्रयागराज का दिन और उनकी तिथि अन्य त्योहारों पर उसे आध्यात्मिक महीना मंडन और उसे विशेष बताने के लिए ज्योतिषों के वक्तव्य हमने कई बार सुन पर 2016 का फरवरी और उसके रविवार से शनिवार तक सभी दिन चार-चार बार ही आए हैं इन पर सोनामधन्य ज्योतिषों ने अभी तक अपनी जीव्हा को कष्ट नहीं दिया है। पाठक अपने सामने वार्षिक कैलेंडर रख ले और जिन ले जैसे रविवार 1, 8, 15, 22 इसी तरह शनिवार 7, 4, 21, 28 और अन्य 5 दिन भी इसी तरह हैं। कहते हैं अंग्रेजी कैलेंडर का यह कमल 823 सालों में आता है।

एनएचएम 38 संविदा पदों हेतु प्रतीक्षा सूची अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 17 फरवरी को

दुर्ग (समय दर्शन)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) अंतर्गत संविदा भर्ती हेतु कुल 38 पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। इन पदों के लिए जारी प्रतीक्षा सूची के अनुसार पात्र अभ्यर्थियों कि 17 फरवरी 2026 को अपरान्ह 12.00 बजे से मेरिट के आधार पर काउंसलिंग आयोजित की जाएगी। काउंसलिंग के दौरान अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा तथा रिक्त पदों के विरुद्ध पदस्थापना स्थल का चयन भी किया जाएगा। यह पूरी प्रक्रिया कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग के सभागार में संपन्न होगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार सभी संबंधित अभ्यर्थी निर्धारित तिथि को प्रातः 11 बजे तक उपस्थित होकर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित कराएं, ताकि काउंसलिंग प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके। इसके साथ ही उक्त विज्ञापित पदों में से पांच पदों हेतु दस्तावेज सत्यापन एवं लिखित/कौशल परीक्षा संवर्गवार मेरिट सूची व परीक्षा समय सारणी विभागीय वेबसाईट में प्रकाशन किया गया है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पद हेतु अंतिम सूची जारी, 25 फरवरी तक दावा-आपत्ति आमंत्रित

दुर्ग (समय दर्शन)। एकीकृत बाल विकास परियोजना जामगांव-एम. के अंतर्गत परिक्षेत्र सिकोला के आंगनबाड़ी केन्द्र आमापेण्ड्री में रिक्त कार्यकर्ता पद की भर्ती हेतु अंतिम सूची जारी कर दी गई है। उक्त सूची परियोजना कार्यालय जामगांव-एम. तथा जनपद पंचायत पाटन में चस्पा की गई है। इस संबंध में पात्र अभ्यर्थियों से दावा-आपत्ति आमंत्रित किए गए हैं। दावा-आपत्ति दर्ज करने की अंतिम तिथि 25 फरवरी 2026 तक शाम 5.30 बजे तक निर्धारित की गई है। अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक कार्यालयीन समय में कार्यालय एकीकृत बाल विकास परियोजना जामगांव-एम. में अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा-आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

शासकीय प्राथमिक शाला वीरेंद्र नगर में बड़ी लापरवाही, मासूम छात्रा हुई लहूलुहान

नृपनिधी पाण्डेय

सरायपाली (समय दर्शन)। शिक्षा के मंदिर में बच्चों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। महासमुंद जिले के सरायपाली विकासखंड अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला वीरेंद्रनगर में स्कूल प्रबंधन की घोर लापरवाही के चलते कक्षा चौथी की एक मासूम छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। छात्रा के आँख के पास गहरी चोट लगने के कारण उसे आनन-फानन में सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उसके जख्म पर 2 से 3 टांके लगाए हैं।

घटना का विवरण: आखिर कैसे हुई मासूम घायल?

मिली जानकारी के अनुसार, घटना स्कूल के सामान्य शैक्षणिक समय के दौरान की है। बताया जा रहा है कि विद्यालय की प्रधानपाठक सिंधु प्रधान और सहायक शिक्षक जीतेन्द्र साहू एवं ज्योति प्रधान की उपस्थिति के बावजूद, बच्चों की सुरक्षा और निगरानी में भारी चूक हुई। खेल-खेल में या किसी अन्य कारण से मासूम छात्रा के आँख के पास गंभीर चोट आई, जिससे वह लहूलुहान हो गई।

जैसे ही छात्रा के चेहरे से खून बहने लगा, स्कूल में हड़कंप मच गया। प्राथमिक उपचार के बजाय उसे तत्काल डॉक्टर के पास ले जाया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टर ने छात्रा के घाव को भरने के लिए टांके लगाए। इस घटना के बाद से छात्रा और उसके परिजन बेहद डरे हुए हैं।

इस पूरे मामले में विद्यालय के शिक्षकों की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लग रहे हैं:

निगरानी की कमी: क्या शिक्षक क्लास के दौरान बच्चों पर ध्यान नहीं दे रहे थे? लापरवाही का आलम: प्रधानपाठक सिंधु प्रधान और अन्य सहायक शिक्षकों की मौजूदगी में इतनी बड़ी दुर्घटना कैसे घट गई? सुरक्षा प्रोटोकॉल: क्या स्कूल में बच्चों के बीच होने वाली गतिविधियों के लिए कोई सुरक्षा मानक तय नहीं हैं?

स्थानीय जनों और परिजनों में भारी आक्रोश

स्थानीय जनों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब स्कूल में इस तरह की अव्यवस्था देखी गई है। शिक्षकों की कथित लापरवाही के कारण बच्चों के साथ पहले भी छोटी-मोटी घटनाएं होती रही हैं, लेकिन इस बार मामला छात्रा की आँख से जुड़ा होने के कारण स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। परिजनों ने मांग की है कि दोषियों पर तत्काल और कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में किसी अन्य बच्चे के साथ ऐसा न हो।

शिक्षा विभाग की चुप्पी?

घटना के एक दिन बीत जाने के बाद भी अब तक उच्चाधिकारियों द्वारा किसी ठोस कार्रवाई या बयान की पुष्टि नहीं हो पाई है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी (क्लस्टर) को इस मामले में हस्तक्षेप कर तत्काल जांच कमेटी गठित करने की आवश्यकता है। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों को केवल पढ़ाने ही नहीं, बल्कि बच्चों के संरक्षण की जिम्मेदारी भी दी जाती है। वीरेंद्रनगर का यह मामला यह दर्शाता है कि जब शिक्षक अपनी जिम्मेदारियों के प्रति उदासीन हो जाते हैं, तो उसका खामियाजा मासूम बच्चों को भुगतना पड़ता है। ज़ब इस सम्बन्ध में उनका बयान लिया गया तो उन्होंने बताया की विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कों शिकायत पत्र दिया जा चुका है।

आईटी ने बिलासपुर का नाम किया ऊंचा, फील पर लगातार कार्यवाही

बिलासपुर (समय दर्शन)। कोचिंग कॉलेज से कोयले के सिरमौर बने फील ग्रुप के मालिक प्रवीण झा के व्यावसायिक प्रतिष्ठान पर, दफ्तर, फैक्ट्री सब पर आईटी ने धाबा बोला है। इसके पहले भी एक सर्वे कुछ माह पूर्व हुआ था दोबारा टीम का आना बताता है कि कहीं से कुछ लंबी जानकारी हाथ लगी है।

सर्वे में आईटी का अधिकारी कागज मांगता चलता है खुद उठकर किसी फाइल को हाथ नहीं लग सकता पर इस बार सर्वे नहीं है। छत्तीसगढ़ के कोयला जगत में वर्धमान के बाद तीसरी सबसे बड़े व्यक्ति हैं। दूसरे नंबर पर पारस है। एक सत्ताधारी दल के नजदीकी ही फील को नुकसानदायक हो गई। चर्चा में फील ग्रुप के मालिक तब आना शुरू हुए जब उन्होंने बेलतरा से टिकट के लिए नाम को उछलने दिया या यूं कहें की उछलवाया। सामान्य नागरिकों को राम मंदिर अयोध्या के दर्शन योजना लग्जरी बसों से और उनका खूब प्रचार प्रसार मीडिया से बताया जाता है की मीडिया बंधुओं को तो लग्जरी कर प्रोवाइड कराकर दर्शन कराए गए कहते हैं जिनके पास स्वयं के वहां थे उन्हें ईंधन दोनों और का, रुकने की व्यवस्था और पेट पूजा का पूरा इंतजाम भी कराया गया। तीज त्योहार पर शिक्षकों की कतार कॉरपोरेट ऑफिस पर चर्चा का विषय रहती थी। कुल मिलाकर राजनीति, उद्योग, ग्लैमर, पर्यटन सब के छौंक का धुआं और छिटे ऊपर तक उछलें परिणाम अब दिखाई दे रहा है।

दुर्ग क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं के लिए टैरिफ याचिकाओं पर जन-सुनवाई

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग (सीएसईआरसी) द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2029-30 के लिए बिजली दरों (टैरिफ) के निर्धारण और राजस्व आवश्यकताओं से संबंधित याचिकाओं पर दुर्ग क्षेत्र(दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले) के उपभोक्ताओं के लिए जन-सुनवाई आयोजित की जा रही है। सीएसईआरसी द्वारा पहली बार छत्तीसगढ़ राज्य के दूर-दराज क्षेत्रों के विभिन्न उपभोक्ताओं को उक्त जनसुनवाई की प्रक्रिया में हिस्सा लेने हेतु क्षेत्रवार ऑनलाईन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। राज्य की बिजली कंपनियों (उत्पादन, पारेषण, वितरण एवं लोड डिस्पैच सेंटर) द्वारा प्रस्तुत याचिकाओं पर आम जनता, किसान और उद्योगपति अपने सुझाव व आपत्तियाँ दर्ज करा सकते हैं।

दुर्ग क्षेत्र के उपभोक्ताओं को आयोग के रायपुर कार्यालय से सीधे जुड़ने के लिए दिनांक 17 फरवरी 2026 को प्रातः 10:30 से दोपहर 12:00 बजे तक रायपुर नाका दुर्ग स्थित मुख्य अभियंता/कार्यपालक निदेशक कार्यालय, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग पर उपस्थित हो सकते हैं।

यदि कोई उपभोक्ता सीधे रायपुर आयोग कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी बात रखना चाहता है, तो दिनांक 19 फरवरी 2026 को दोपहर 12:00 से 01:30 बजे तक कृषि एवं कृषि संबंधी कार्य दोपहर 02:30 से 04:00 बजे तक घरेलू उपभोक्ता एवं सायं 04:00 से 05:30 बजे तक गैर-घरेलू उपभोक्ता उपस्थित होकर अपनी आपत्तियां एवं सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं। इसी तरह 20 फरवरी 2026 को दोपहर 12:00 से 01:30 बजे तक स्थानीय निकाय, नगर निगम एवं ट्रेड यूनियन आदि, दोपहर 02:30 से 04:00 बजे तक निम्न दाब उद्योग एवं सायं 04:00 से 05:30 बजे तक उच्च दाब उद्योग अपनी सुझाव प्रस्तुत कर सकेंगे।

वन्यजीव अपराधियों पर सख्ती की तैयारी, महासमुंद में दो दिवसीय विशेष कार्यशाला का शुभारंभ

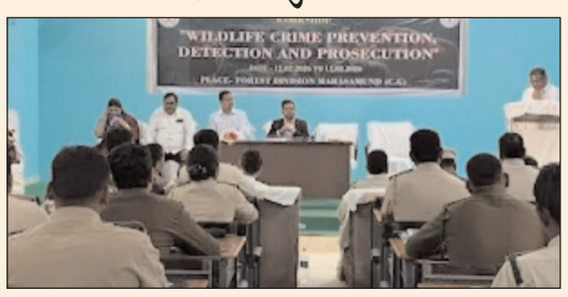

महासमुंद(समय दर्शन)। वनमंडल महासमुंद द्वारा वन्यजीव अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं सुदृढ़ न्यायालयीन कार्रवाई सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए वनमंडल स्तरीय वन विद्यालय, महासमुंद में वन्यजीव अपराध, पहचान एवं अभियोजन विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य वन्यजीवों से संबंधित अपराधों की समयबद्ध पहचान, वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य संकलन, प्रकरणों का विधिसम्मत पंजीयन एवं प्रभावी अभियोजन सुनिश्चित करना है, ताकि दोषियों को कठोर दंड दिलाया जा सके और अवैध शिकार व तस्करी जैसी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

कार्यक्रम में डिप्टी डायरेक्टर उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व वरुण जैन, वनमंडलाधिकारी मयंक पांडेय, अधिवक्ता निमिश किरण शर्मा, सदस्य छत्तीसगढ़ वन्यजीव बोर्ड गौरव निहलानी, तथा सदस्य, नोवा नेचर वेलफेयर सोसाइटी रायपुर रितेश श्रीवास विशेष रूप से उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने अपने संबोधन में बताया कि कई बार वन्यजीव अपराधों के प्रकरण तकनीकी त्रुटियों, साक्ष्य की कमी या उचित धाराओं के अभाव में न्यायालय में कमजोर पड़ जाते हैं। उन्होंने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 सहित प्रासंगिक अधिनियमों एवं नियमों के प्रभावी प्रयोग, जब्ती कार्यवाही की शुद्ध प्रक्रिया, केस डायरी संधारण, फॉरेंसिक साक्ष्य संकलन एवं समयबद्ध चालान प्रस्तुत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि मजबूत विवेचना एवं ठोस साक्ष्यों के आधार पर अपराधियों को जमानत से रोका जा सकता है तथा कठोरतम दंड सुनिश्चित किया जा सकता है।

कार्यशाला में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपराध की पहचान, घटनास्थल प्रबंधन, पंचनामा तैयार करने की विधि, जब्त सामग्री के संरक्षण, वन्यजीव अंगों की पहचान, न्यायालयीन प्रक्रिया एवं अभियोजन की कार्यप्रणाली के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। विभिन्न वास्तविक प्रकरणों के उदाहरणों के माध्यम से व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया। वक्ताओं ने कहा कि वन्यजीव संरक्षण केवल विभागीय दायित्व नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। अवैध शिकार, वन्यजीव तस्करी एवं अवैध व्यापार के विरुद्ध सतत निगरानी, जन जागरूकता एवं सख्त कार्रवाई ही प्रभावी समाधान है। कार्यक्रम में समस्त एसडीओ, रेंज अधिकारी, डिप्टी रेंजर एवं परिसर रक्षक उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने सिलतरा व जरेली विद्यालय में आधार पंजीयन एवं बायोमैट्रिक अपडेट कार्य का किया निरीक्षण

बच्चों से संवाद कर 12वीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने किया प्रेरित

मुंगेली(समय दर्शन)। कलेक्टर ने विकासखण्ड पथरिया स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिलतरा और डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जरेली पहुंचकर आधार पंजीयन एवं बायोमैट्रिक अपडेट कार्य का निरीक्षण किया तथा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने पंजीयन प्रक्रिया की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य शीघ्र एवं सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आधार अपडेट के फायदे बताते हुए कहा कि इससे डिजिलॉकर में दस्तावेज सुरक्षित रखना आसान होगा तथा छात्रवृत्ति सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ विद्यार्थियों को आसानी से मिल सकेगा। कलेक्टर ने अधिकारियों को विद्यालय में शत-प्रतिशत आधार पंजीयन एवं अपडेट सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने प्री-बोर्ड परीक्षा परिणाम की जानकारी ली तथा प्राचार्य को विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता और बेहतर बनाने के साथ ही कमजोर विद्यार्थियों के लिए स्पेशल क्लास संचालित कर बेहतर तैयारी सुनिश्चित करने निर्देशित किया।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी शैक्षणिक प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने विशेष रूप से कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि 12वीं बोर्ड परीक्षा जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो उज्ज्वल भविष्य की दिशा तय करता है। कलेक्टर ने कहा कि जीवन में सफलता का एकमात्र मार्ग निरंतर परिश्रम और समर्पित अध्ययन है। उन्होंने मोबाइल के अनावश्यक उपयोग और सोशल मीडिया रील्स से दूर रहने की सलाह देते हुए कहा कि परीक्षा की तैयारी के दौरान समय का सदुपयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने का लक्ष्य निर्धारित करने और उसे प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत एवं लगन से अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ ने भी बच्चों को परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने प्रोत्साहित किया।

कलेक्टर ने कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों से भी संवाद करते हुए परीक्षा परिणाम की जानकारी ली। उन्होंने सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले सिलतरा विद्यालय के छात्र हिमेश से विशेष चर्चा की और अन्य विद्यार्थियों को उससे प्रेरणा लेने की बात कही।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26